mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-161 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
12 जून 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

दिल्ली में सिंगर गुरु रंधावा के जिम पर फायरिंग

लॉरेंस गैंग ने जिम्मेदारी ली; लिखा- समझाया था सलमान से दूर रह, वह हमारा दुश्मन

जालंधर,एजेंसी। दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में गुरुवार तड़के एक जिम के बाहर मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह जिम दिल्ली में राजौरी गार्डन के रहने वाले 2 कारोबारियों का है। इसके ब्रांड एंबेसडर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा हैं।वारदात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कुख्यात लॉरेंस गैंग ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। साथ ही गैंगस्टर हैरी बॉक्सर ने एक ऑडियो जारी कर गुरु रंधावा को जान से मारने की धमकी भी दी है।

एअर इंडिया विमान हादसे पर सस्पेंस बरकरार, अमेरिका भेजे गए फ्लाइट के इंजन

नई दिल्ली,एजेंसी। अहमदाबाद में एअर इंडिया बोइंग 787 विमान हादसे की पहली बरसी आने वाली है, लेकिन 260 लोगों की जान लेने वाली इस आपदा के मुख्य कारणों से जुड़े अहम सवालों के जवाब अब भी नहीं मिल पाए हैं। जांचकर्ता अंतिम रिपोर्ट सौंपने की एक साल की औपचारिक समय-सीमा से चूकने वाले हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो तय समय-सीमा के भीतर अपनी अंतिम रिपोर्ट पूरी नहीं कर पाएगा। इसका कारण यह है कि विमान के इंजनों की अमेरिका में चल रही जांच सहित कई महत्वपूर्ण तकनीकी विश्लेषण अभी भी अधूरे हैं।

इसकी जगह, AAIB इस सप्ताह एक स्टेटस रिपोर्ट जारी कर सकता है, जिसमें देरी के कारणों को स्पष्ट करने के साथ-साथ अब तक की जांच की प्रगति का विवरण दिया जाएगा। अब अंतिम रिपोर्ट अगले तीन महीनों के भीतर आने की उम्मीद है।

बालिग होने पर पीड़िता ने दोषी से रचाई शादी, सुप्रीम कोर्ट ने पति को किया बरी

नई दिल्ली,एजेंसी। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति की सजा रद कर दी।

कोर्ट ने पाया कि पीड़िता ने बालिग होने के बाद उससे शादी कर ली। संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि वह अपने पास लंबित किसी भी मामले में पूरा न्याय करने के लिए जरूरी कोई भी आदेश दे सके।पीड़िता जब 12वीं में पढ़ रही थी, तब उसे उस शख्स से प्यार हो गया था। हालांकि, उसने शादी से इन्कार कर दिया, जिसके बाद पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई।नाबालिग के साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में उसे पोक्सो एक्ट के तहत 10 साल की सजा सुनाई गई।

नीट री-एग्जाम-संसदीय समिति ने चीन-अमेरिका से सीखने की नसीहत दी

चीन बोला- हमने बिना गड़बड़ी के 1.3 करोड़ छात्रों की परीक्षा कराई, देश एकजुट हुआ

नई दिल्ली,एजेंसी। नीट यूजी पेपर लीक मामले के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बुधवार को संसदीय समिति से मुलाकात की। उन्होंने परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित बनाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी। बैठक में एनटीए के डायरेक्टर जनरल अभिषेक सिंह और नेशनल मेडिकल काउंसिल अध्यक्ष अभिजात शेठ शामिल हुए।

समिति के सदस्यों ने सुझाव दिया कि हमें अमेरिका और चीन जैसे देशों से सीखना चाहिए। वहां बिना किसी शिकायत के परीक्षाएं होती हैं। विदेशों में अपनाए जाने वाले अच्छे तरीकों से सीखें और ऐसे सिस्टम अपनाएं ताकि देश में परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित और पुख्ता हो।

इधर, भारत में चीन की प्रवक्ता यू जिंग ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने गाओकाओ को दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा बताया। साथ ही लिखा- यह भारत के जेईई-नीट का संयुक्त रूप है। 2 दिन में 1.3 करोड़ छात्रों ने हिस्सा लिया। इनके लिए कारखानों ने काम रोका। सड़कें सूनी रहीं। पूरा देश छात्रों के लिए एकजुट हो गया।

भारत में नीट में आमतौर पर 20 लाख से ज्यादा और जेईई में करीब 15 लाख उम्मीदवार बैठते हैं। 2026 में हुआ 3 मई को हुआ

अंडरग्रेजुएट मेडिकल एडमिशन एग्जाम पेपर लीक के आरोपों के कारण 12 मई को रद्द कर दिया गया था। 21 जून को इसे दोबारा करवाया जा रहा है।

तीसरी संसदीय समिति के सामने पेश हुए एनटीए-एनएमसी के अधिकारी

नीट-यूजी पेपर विवाद के बाद यह तीसरी संसदीय समिति थी, जिसके सामने दोनों मंत्रालयों, एनटीए और एनएमसी के अधिकारी पेश हुए थे। इससे पहले वे शिक्षा और सरकारी आश्वासनों से जुड़ी संसदीय समितियों के सामने पेश हो चुके थे। इन समितियों को बताया गया था कि अभी उनका पूरा ध्यान 21 जून को होने वाली नीट की दोबारा परीक्षा पेन-पेपर फॉर्मेट में कराने पर है।इधर, संसदीय समिति ने हालिया विवाद के बाद एनटीए का मनोबल बढ़ाने की बात भी कही। उन्होंने छात्रों का तनाव कम करने और एनटीए-एनएमसी के बीच तालमेल पर जोर दिया ताकि सीटें खाली न रहें।

सुप्रीम कोर्ट बोला:महिलाओं को होममेकर नहीं नेशन बिल्डर कहें

वे परिवार की नींव मजबूत करती हैं; उनके काम की कीमत हर महीने 30 हजार जितनी

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा, 'गृहिणी को होममेकर के बजाय नेशन बिल्डर कहना चाहिए।' कोर्ट की यह टिप्पणी दुर्घटना में महिला की मौत से जुड़े एक मुआवजा केस में आई।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब किसी दुर्घटना के कारण गृहिणी की मौत हो जाती है, तब उसका मुआवजा तय करते उसके योगदान का आकलन जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'एक गृहिणी का काम केवल खाना बनाना, बच्चों की देखभाल और घर संभालना नहीं है। वह परिवार की नींव को मजबूत बनाती है, अगली पीढ़ी तैयार करती है।'

इसके बाद जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने दुर्घटना की शिकार गृहिणियों के मामले में एक नई गाइडलाइन जारी की। कोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी के काम के लिए 30 हजार रुपए हर महीने के हिसाब से मुआवजा तय किया जाना चाहिए। 2001 में पंजाब की महिला की हादसे में मौत पर आया फैसला सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला पंजाब में एक मोटर एक्सीडेंट दावे पर आया। नवंबर 2001 में रेशमा नाम की एक महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। उसके पति और 3 बच्चों ने मुआवजे के लिए मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया था। ट्रिब्यूनल ने 2003 में मुआवजा दिया, लेकिन यह मामला सालों तक उलझा रहा। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने दिसंबर 2024 में 8 लाख रुपए से ज्यादा का मुआवजा देने का आदेश दिया था।

दिल्ली में खराब मौसम के चलते फ्लाइट्स जयपुर डाइवर्ट

यूपी में तूफान से पेट्रोल-पंप की छत गिरी, 3 मौतें; राजस्थान में आंधी-बारिश, 22 राज्यों में अलर्ट

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। मानसून पिछले 7 दिन से तमिलनाडु के चेन्नई, महाराष्ट्र के हरनाई और बंगाल के सिलीगुड़ी में रुका हुआ है। 4 जून को केरलम पहुंचने के बाद अगले 2 दिन, यानी 6 जून तक ही यह 5 राज्यों में पहुंच गया था। हालांकि, अगले 3 दिन में इसके महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के बाकी हिस्से कवर करने का अनुमान है।

इधर, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। दिल्ली में खराब मौसम के चलते 2 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट करनी पड़ीं। राजस्थान के कई इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई। वहीं, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली, पश्चिम बंगाल में भी बरसात हुई।

यूपी में आंधी से एक पेट्रोल पंप की छत उड़ गई। वहीं, चित्रकूट में 4.5 करोड़ रुपए के ऑडिटोरियम की छत उड़ गई। इटावा, सीतापुर और फिरोजाबाद में हादसों में 3 लोगों की मौत हुई। वहीं पंजाब के मानसा में तेज आंधी में लोहे का गेट गिरने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई।

बिहार में पटना, बक्सर, सुपौल समेत 5 जिलों में सुबह-सुबह घने बादलों की वजह से अंधेरा छा गया। लोगों को गाड़ियों की लाइट जलाकर चलना पड़ा। यहां आंधी के साथ बारिश हुई।

22 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट: आज 22 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। इनमें राजस्थान, एमपी, यूपी, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, तमिलनाडु, केरलम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गोवा शामिल हैं। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है।

गर्मी से राहत नहीं, 8 राज्यों में पारा 40डिग्री पार

बारिश के बावजूद यूपी, दिल्ली, राजस्थान, एमपी, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के कई शहरों में पारा 40डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा पंजाब के भटिंडा में दर्ज किया गया। यहां पारा 46.2डिग्री रहा। वहीं राजस्थान के श्रीगंगानगर में पारा 45.9डिग्री, यूपी के बांदा में 45.4डिग्री, महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी में 45.5डिग्री और एमपी के खजुराहो में 45एष्ट दर्ज किया गया।

'राम को काल्पनिक' कहने पर राहुल के खिलाफ दोबारा सुनवाई

वाराणसी कोर्ट ने निचली अदालत का फैसला रद्द किया

वाराणसी,एजेंसी। भगवान राम को कथित तौर पर काल्पनिक कहने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ FIR की मांग वाली याचिका पर फिर से वाराणसी कोर्ट में सुनवाई होगी। MP-MLA की सीनियर कोर्ट ने बुधवार को लोअर कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

एडिशनल डिस्ट्रिक जज (ADJ) यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने केस को वापस लोअर कोर्ट भेजते हुए नए सिरे से सुनवाई करने के आदेश दिए हैं। राहुल गांधी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। पिछले साल 12 मई को एडवोकेट हरिशंकर पांडेय ने याचिका दायर की थी।दावा किया था कि राहुल गांधी ने अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को 'पौराणिक' बताया था। 10 जून, 2026 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (MP-MLA) कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी।

याचिकाकर्ता ने कहा- दोषी पाए गए तो 5 साल की सजा:

सीनियर एडवोकेट हरिशंकर पांडेय ने कहा- राहुल गांधी के खिलाफ सुनवाई का पूरा आधार है। इसी आधार पर हमारी याचिका स्वीकार की गई है। कोर्ट ने इस बात को माना है कि राहुल गांधी ने भगवान राम को काल्पनिक कहा था।

केरलम में निपाह वायरस लौटा, संक्रमित वेंटिलेटर पर

हॉस्पिटल स्टाफ क्वारंटीन; राज्य में इस साल पहला केस, 8 साल में छठी बार संक्रमण

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस मिला है। इसकी जानकारी गुरुवार को सामने आई। मरीज 43 साल का है और कोझिकोड का रहने वाला है। राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है।

टीएमसी के एक और राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक का इस्तीफा

4 दिन में तीसरे सांसद ने ममता का साथ छोड़ा, अब 10 राज्यसभा सांसद बचे

नई दिल्ली,एजेंसी। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) में टूट जारी है। गुरुवार को एक और राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक ने इस्तीफा दे दिया।पिछले चार दिनों में तीन राज्यसभा सांसद ममता को छोड़कर जा चुके हैं।

कल यानी 10 जून को सुष्मिता देव ने रिजाइन किया था। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी छोड़ी थी।

अब तक TMC के लोकसभा में 28 में से 20 और राज्यसभा में 13 में से 3 सांसद, यानी कुल 23 सांसद टूट चुके हैं। वहीं, बंगाल के 80 में से 58 TMC विधायक अलग गुट बना चुके हैं।

इस्तीफे के बाद प्रकाश चिक बोले- मैं बूढ़ा नहीं हुआ, आगे समय बताएगा : इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रकाश चिक ने कहा- पश्चिम बंगाल में लोगों का फैसला भाजपा के पक्ष में था। पार्टी ने वहां सरकार बनाई। मेरे अपने चुनाव क्षेत्र में हम एक भी सीट नहीं जीत पाए। उत्तर बंगाल में भी नतीजे अच्छे नहीं रहे। इस जनादेश को देखते हुए मुझे लगा कि अब मेरे पद पर बने रहना ठीक नहीं है। इसलिए, मैंने अपने पद और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया।

अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन 2030 तक खत्म हो जाएगा

खामियां दूर करना चुनौती; नासा प्रशांत महासागर में मलबा गिराएगी, 9500 करोड़ खर्च होंगे

न्यूयॉर्क,एजेंसी। पृथ्वी से करीब 400 किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में स्थित इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। नासा ने 2028 से शुरू करके 2030 तक इसे सुरक्षित तरीके से धरती पर गिराने की अपनी योजना को सार्वजनिक किया है।

इसके लिए नासा ने 1 अरब डॉलर (करीब 9500 करोड़ रुपए) का प्लान तैयार किया है। आईएसएस पिछले 25 साल से सबसे बड़ी अंतरिक्ष प्रयोगशाला के रूप में काम कर रहा है।

आईएसएस निर्धारित उम्र पूरी कर चुका है। इसका कार्यकाल कई बार बढ़ चुका है। पिछले कुछ सालों से इसमें लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं। स्टेशन को सुरक्षित बनाए रखने पर अरबों डॉलर खर्च होते हैं।

नासा अब अपने संसाधनों को चंद्रमा और मंगल मिशनों पर केंद्रित करना चाहता है।

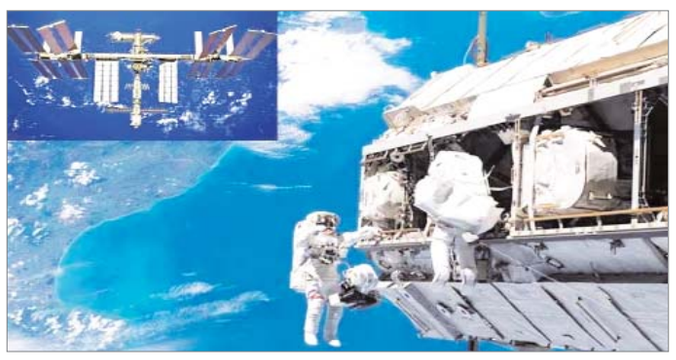

आईएसएस को एक यान से धरती के वायुमंडल में धकेलेंगे

करीब 4.5 लाख किलोग्राम वजनी आईएसएस को यूं ही पृथ्वी की ओर गिरने नहीं दिया जाएगा। 2028 के आसपास स्टेशन को कक्षा में बनाए रखने की प्रक्रिया धीरे-धीरे बंद कर दी जाएगी। विशेष अंतरिक्ष यान से उसे नियंत्रित तरीके से पृथ्वी के वायुमंडल में धकेला जाएगा। वायुमंडल में प्रवेश करते ही स्टेशन का अधिकांश हिस्सा घर्षण से जलकर नष्ट हो जाएगा।

हालांकि, इसके बाद भी स्पेस के बड़े टुकड़े पृथ्वी पर आबादी वाले क्षेत्रों में गिर सकते हैं। इसलिए नासा ने प्रशांत महासागर में जमीन से काफी दूर स्थित क्षेत्र को चुना है, ताकि वायुमंडल में जलने के बाद बचा हुआ मलबा इसी सुनसान समुद्री क्षेत्र में गिरे।

आरोप हैं तो मेरा नार्को टेस्ट करवाओ: लेकिन, राजस्थान के पूर्व मंत्री रमेश मीणा की अशोक गहलोत को खुली चुनौती

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर साल 2020 के सियासी संकट को लेकर आरोप-प्रत्यारोप सातवें आसमान पर पहुंच गया है। मामले में पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता रमेश मीणा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खुली चुनौती दी है। रमेश मीणा ने कहा है कि अगर किसी के पास इस बात के सबूत हैं कि उन्होंने 2020 की बगावत के दौरान 10 करोड़ रुपये लिए थे, तो उनका नार्को टेस्ट करवा लिया जाए।

हालांकि अपने बयान में पूर्व सीएम गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि नार्को टेस्ट सिर्फ उनका ही नहीं, बल्कि अशोक गहलोत का भी होना चाहिए ताकि यह साफ हो सके कि सरकार बचाने के लिए उन्होंने निर्दलीय और अन्य विधायकों को कितने पैसे दिए थे।

अब समझिए पूरा मामला: दरअसल, अशोक गहलोत गुट की तरफ से हाल ही में एक बार फिर यह आरोप लगाया गया था कि 2020 में जिन विधायकों ने सचिन पायलट के

नेतृत्व में बगावत की थी, उन्होंने सरकार गिराने की डील के तहत 10-10 करोड़ रुपये की एडवांस रकम ली थी। रमेश मीणा 2020 में सचिन पायलट के साथ बगावत करने वाले विधायकों में शामिल थे। इस आरोप पर कड़ा ऐतराज जताते हुए उन्होंने करौली में आयोजित एक 'किसान सम्मेलन' में अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा।

रमेश मीणा के तीखे बोल- 'हमारे पास भी दस्तावेज हैं: करौली के मंच से बोलते हुए रमेश मीणा ने कहा कि मैं आपको (अशोक गहलोत को) चुनौती देता हूं, यह साबित करने के लिए मेरा नार्को टेस्ट करवाएं कि क्या मैंने 10 करोड़ रुपये लिए थे। लेकिन इसी के साथ आपका भी नार्को टेस्ट होना चाहिए, जिससे यह पता चले कि आपने सरकार बचाने के लिए निर्दलीय, बीटीपी और भाजपा के विधायकों को कितना पैसा दिया था। हमारे पास भी सारे दस्तावेज मौजूद हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब भी राज्य में कांग्रेस मजबूत स्थिति में दिखने लगती है।

गहलोत के नेतृत्व पर उठाए सवाल, राहुल गांधी से की अपील

अपने बयान में आगे रमेश मीणा ने अशोक गहलोत के राजनीतिक रिकॉर्ड पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गहलोत को तीन बार राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी को चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी से अपील करते हुए कहा कि राहुल जी को अपने आसपास रहने वाले और सलाह देने वाले लोगों को ठीक से परखना चाहिए। उन्हें चाटुकारों के बजाय जमीन पर काम करने वाले ईमानदार पार्टी कार्यकर्ताओं पर भरोसा करना चाहिए।

क्या हुआ था 2020 के सियासी संकट में

गौरतलब है कि साल 2020 में राजस्थान के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों (जिसमें रमेश मीणा भी शामिल थे) ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत कर दी थी। इसके बाद राजस्थान की कांग्रेस सरकार गिरने की कगार पर पहुंच गई थी और कई दिनों तक विधायकों की बाड़ेबंदी चली थी। बाद में कांग्रेस आलाकमान के दखल के बाद यह विवाद शांत हुआ था। हालांकि, इस बगावत की गाज सचिन पायलट पर गिरी थी और उन्हें उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया था। रमेश मीणा को भी तब अपने मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा था। अब सालों बाद यह विवाद एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है।

मालदा के तीन होल्डिंग सेंटरों में 150 से अधिक बांग्लादेशी, अन्य जिलों में गिरफ्तार घुसपैठिए भी यहीं रखे गए

मालदा, एजेंसी। बंगाल में केंद्र सरकार की डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट नीति के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में रोजाना घुसपैठिए पकड़े जा रहे हैं। मालदा जिले में तीन होल्डिंग सेंटरों में 150 से अधिक बांग्लादेशी रखे गए हैं। इनमें दक्षिण बंगाल के बैरकपुर से पकड़े गए सौ से अधिक घुसपैठिए भी शामिल हैं। जिला पुलिस सूत्रों के अनुसार पहला होल्डिंग सेंटर मालदा के इंग्लिश बाजार थाना क्षेत्र के बागबाड़ी में स्वनिर्भर समूह के प्रशिक्षण केंद्र में बनाया गया था। इसके बाद ओल्ड मालदा के नारायणपुर स्थित जलंगा माठ फ्लड सेंटर में दूसरा होल्डिंग सेंटर शुरू किया गया। मालदा के पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने कहा कि सीमा सुरक्षा और घुसपैठ पर नकेल कसने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बुधवार को तीसरा होल्डिंग सेंटर मालदा के बामनगोला थाना क्षेत्र में चालू किया गया। इन तीनों होल्डिंग सेंटरों की कुल क्षमता 250 से 300 घुसपैठियों को एक साथ रखने की है। प्रशासन ने मालदा जिले में पकड़े गए कई बांग्लादेशी घुसपैठियों को पहले ही पुशबैक कर दिया है। शेष लोगों को भी चरणबद्ध तरीके से होल्डिंग सेंटर से बांग्लादेश भेजा जाएगा।

गुरुग्राम में सिटी बसों का चक्का जाम, वेतन बढ़ाने की मांग पर हड़ताल पर गए 500 ड्राइवर-कंडक्टर

गुरुग्राम, एजेंसी। शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बृहस्पतिवार सुबह बड़ा झटका लगा, जब गुरुग्राम महानगर सिटी बस सेवा (जीएमसीबीएल) के सेक्टर-52 बस डिपो से जुड़े करीब 500 ड्राइवर और कंडक्टर वेतन वृद्धि, वर्दी भत्ता तथा अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए। सुबह पांच बजे से शुरू हुई हड़ताल के चलते 100 से अधिक सिटी बसें डिपो में ही खड़ी रहीं और निर्धारित रूटों पर नहीं चल सकीं। इससे कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, और अन्य यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गुरुग्राम में सिटी बसों के दो प्रमुख डिपो सेक्टर-52 और सेक्टर-10 में संचालित हैं। हड़ताल केवल सेक्टर-52 डिपो के कर्मचारियों द्वारा की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वेतन बढ़ोतरी, वर्दी उपलब्ध कराने और अन्य सुविधाओं की मांग की जा रही है, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। इसी के विरोध में उन्होंने बस संचालन ठप करने का निर्णय लिया।

सुबह के समय यात्रियों को हुई सबसे अधिक परेशानी: शहर में कुल लगभग 150 लो-फ्लोर सीएनजी आधारित सिटी बसें 30 से अधिक रूटों पर संचालित होती हैं। इनमें से अधिकांश बसें सेक्टर-52 डिपो से संचालित होती हैं। सुबह कार्यालय जाने वाले यात्रियों को बसें नहीं मिलने से ऑटो और कैब का सहारा लेना पड़ा। कई बस स्टॉप पर यात्री घंटों तक बसों का इंतजार करते दिखाई दिए। यात्रियों का कहना है कि सिटी बस सेवा शहर के हजारों लोगों के लिए सस्ती और सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था है। अचानक बस संचालन बंद होने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई और अतिरिक्त किराया खर्च करना पड़ा।

डिपो में जुटे कर्मचारी, रूटों पर नहीं गई बसें: हड़ताल के बावजूद चालक और परिचालक सुबह डिपो पहुंचे, लेकिन उन्होंने बसों को रूटों पर ले जाने से इनकार कर दिया। कर्मचारियों ने डिपो परिसर में एकत्र होकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि जब तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

दिल्ली में ओ-जोन विवाद पर आप का भाजपा पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में ओ जोन को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच आप ने भाजपा पर निशाना साधा है। आप ने कहा है कि इस मामले पर दिल्ली के लाखों लोग चिंतित हैं। भाजपा को ओ-ओन में बनी रिहायशी कालोनियों को बचाने के लिए सरकार से संसद से कानून पास कराने की मांग की है। आप की प्रदेश इकाई ने कहा है कि अगर भाजपा सरकार ओ-जोन की रिहायशी कालोनियों से संरक्षण देना चाहती है तो मौखिक आदेश से काम नहीं चलेगा, बल्कि कानून बनाए। कहा कि ओ-जोन इलाके को खाली कराने का आदेश केंद्र की भाजपा सरकार के अंतर्गत डीडीए के बार-बार कोर्ट में जाने की वजह से ही आया है।

सीएम डैश बोर्ड में 15वें से 17वें स्थान पर पहुंचा बागपत

मेरठ , एजेंसी। सीएम डैशबोर्ड की नवीनतम रैंकिंग में बागपत जिला दो पायदान नीचे फिसल गया है। मई माह में यह जिला 15वें स्थान पर था, लेकिन अब 17वें स्थान पर पहुंच गया है। बुधवार को जारी हुई इस रैंकिंग में जिले के प्रदर्शन में गिरावट दर्ज की गई है।जिले का समग्र स्थान 17वां रहा है। विकास कार्यों के मामले में बागपत 26वें स्थान पर रहा। राजस्व कार्यों में जिले को 18वां स्थान मिला है। रैंकिंग खराब होने का मुख्य कारण समाज कल्याण विभाग की पारिवारिक लाभ योजना का खराब प्रदर्शन रहा।

राजस्थान में चार करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार, तस्करों से पूछताछ में बड़ा खुलासा होने की उम्मीद

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के टोंक जिले में पुलिस ने दो किलो 49 ग्राम हेरोइन पकड़ी है। पुलिस ने पकड़ी गई हेरोइन की बाजार में कीमत चार करोड़ से अधिक की बताई है। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस उप अधीक्षक रामअवतार ने बताया कि मंगलवार रात पिपलु थाना पुलिस ने नियमित नाकाबंदी कर रखी थी।

इसी दौरान पुलिसकर्मियों को एक बोलेरो गाड़ी में सवार दो संदिग्ध लोग नजर आए। पुलिस ने बोलेरो को रोक कर जांच की तो हेरोइन बरामद की गई । पकड़े गए दोनों तस्कर हनुमान एवं अमन कुमार पिपलु क्षेत्र के ही निवासी हैं। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह जांच कर रही है कि दोनों तस्कर हेरोइन कहां से लेकर आए थे और किस व्यक्ति को कहां देनी थी। कहीं यह किसी अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़ा हुआ मामला तो नहीं है। पुलिस को पकड़े गए दोनों तस्करों से पूछताछ में बड़ा खुलासा होने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा के गौर सिटी में फ्लैट की छत का गिरा प्लास्टर

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौर सिटी-एक की पांच एवेन्यू सोसायटी में भी प्लास्टर गिरने का मामला सामने आया है। सोमवार रात करीब 10 बजे एक फ्लैट के कमरे की छत का प्लास्टर अचानक नीचे गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई व्यक्ति उसकी चपेट में नहीं आया और एक बड़ा हादसा टल गया। वहीं हाल ही में अरिहंत अंबर सोसायटी में प्लास्टर गिरने से एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है। लगातार प्लास्टर गिरने की हो रही घटनाओं से सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बता दें कि सोसायटी के एस टावर के फ्लैट नंबर 1265 में मयंक अपने परिवार के साथ रहते हैं। मयंक ने बताया कि करीब 10 बजे अचानक छत से प्लास्टर बड़ा हिस्सा छूट कर सीधे बेड पर जाकर गिरा, जिससे बेड पास रखा टेबल लैंप टूट गया। इस दौरान उसी कमरे के अंदर उनके पिता कमरे में बेड से कुछ ही दूरी पर कुर्सी

पर बैठे हुए थे, यदि प्लास्टर कुछ फीट इधर-उधर गिरता तो उनके पिता गंभीर रूप से घायल हो सकते थे।

घटना के बाद परिवार के लोग काफी घबरा गए और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना सोसायटी प्रबंधन को दी। अरिहंत अंबर सोसायटी में प्लास्टर गिरने से हुई युवक की मौत के बाद से सोसायटी में रहने वाले 1300 परिवारों के उनके परिजनों की सुरक्षा की चिंता सता रही है।

प्लास्टर गिरने से डेढ़ वर्ष पहले से बच्चे हो चुके हैं घायल: मयंक का आरोप है कि यह पहली बार नहीं है जब उनके फ्लैट में प्लास्टर गिरा हो। उन्होंने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले भी इसी कमरे में इसी स्थान पर प्लास्टर टूटकर गिर गया था। उस समय उनके बच्चे कमरे में मौजूद थे और प्लास्टर की चपेट में आने से उन्हें चोटें आई थीं। शिकायत के बाद मरम्मत का कार्य कराया गया था, लेकिन अब दोबारा उसी कमरे में प्लास्टर गिरने से मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

वहीं, अब उन्होंने एओए से दोबारा निरीक्षण कराकर गुणवत्तापूर्ण और स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। गौर प्रबंधन और प्राधिकरण से लगातार लिखित शिकायत की गई है, लेकिन सुनवाई के नाम पर कुछ नहीं हुआ है। लोग अपने मकान में ही सुरक्षित नहीं है। हर समय प्लास्टर गिरने सहित अन्य लापरवाहियों से जान को खतरा बना रहता है। करोड़ों रुपए देने के बाद भी खराब गुणवत्ता के साथ घर बनाकर दिए गए हैं। बिल्डर प्रबंधन से शिकायत के बाद जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो लोगों के मेंटेनेंस से ही सोसायटी के मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। पांच टावरों के मरम्मत हो चुकी है। वहीं, अन्य का भी कार्य तेजी से चल रहा है। सोसाइटी में कई काम्या है, जिसको लेकर प्राधिकरण व बिल्डर दोनों से शिकायत की जाती है।

फिलीपीन में भीषण भूकंप के बाद 2100 झटकों से दहशत, 35000 बेघर; 29 सड़कें और 11 पुल तबाह

सैंटोस, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपीन के जनरल सैंटोस शहर में सोमवार को आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 2,100 से अधिक झटके आए। इससे बचाव कार्य में काफी परेशानी आ रही है। 7.8 की तीव्रता वाले भूकंप में मरने वालों की संख्या 45 हो चुकी है, जबकि 17 लोग लापता हैं। अधिकतर मौतें इमारतों के ढहने से गिरे मलबे और भूस्खलन के कारण हुई। भूकंप के चलते करीब 35 हजार लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। जनरल सैंटोस में बचावकर्मी हेलमेट पहनकर आंशिक रूप से ढहे हुए किराना स्टोर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक और तेज झटका महसूस हुआ। इसके बाद झुकी हुई इमारत से मलबा गिरने लगा। सुरक्षा अधिकारी ने सीटी बजाकर और अन्य कर्मियों ने चिल्लाकर करीब 30 दमकलकर्मियों तथा तटरक्षक बल के जवानों को सुरक्षित स्थान पर

जाने की चेतावनी दी। दमकल विभाग की प्रवक्ता रेसा मिया टैक्टाक्विन-बेटोया ने बताया कि जिस किराना स्टोर में बचाव अभियान चलाया जा रहा था, उसकी दो ऊपरी मंजिलें मुख्य भूकंप में ढह गई थीं। वहां एक लापता कर्मचारी की तलाश की जा रही थी। उन्होंने कहा, झटका काफी तेज था। इसलिए तुरंत अलार्म बजाया गया ताकि आसपास मौजूद लोग बाहर निकल सकें। भूकंप के चलते जनरल सैंटोस का अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा भी प्रभावित हुआ है, जिसके कारण उसे अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। केवल राहत सामग्री और आपदा राहत कर्मियों को ले जाने वाली सरकारी तथा सैन्य उड़ानों को अनुमति दी जा रही है। प्रशासन के मुताबिक प्रभावित प्रांतों में लगभग 6,000 सरकारी स्कूल भवनों का सुरक्षा मूल्यांकन किया जाना है, जिसके बाद ही कक्षाएं फिर शुरू हो सकेंगी।

इंडोनेशिया, पलाऊ व जापान तक पहुंचीं लहरें: भूकंप के बाद समुद्र में ज्वार स्तर से 1.4 मीटर ऊंची लहरें दर्ज की गईं, जिससे कम से कम एक व्यक्ति समुद्र में बह गया और उसकी मौत हो गई। इंडोनेशिया, पलाऊ और दक्षिणी जापान के तटों पर भी छोटी लहरें पहुंचीं, जिसके बाद सुनामी चेतावनी वापस ले ली गई। जनरल सैंटोस के निकट सात तैराक भी भूकंप के तुरंत बाद तेज समुद्री धाराओं में बह गए। इनमें तीन को तटरक्षक बल ने बचा लिया, एक तैरकर किनारे पहुंच गया, एक की मौत हो गई और दो अब भी लापता हैं। शक्तिशाली भूकंप के चलते फिलीपीन में कम से कम 630 लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका में दिल दहला देने वाली वारदात, युवक ने माता-पिता समेत परिवार के चार लोगों की हत्या की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य के डेट्रॉइट के उपनगर में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। दरअसल यहां 25 साल के एक युवक ने अपने ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपने माता-पिता और भाई सहित कुल चार लोगों की हत्या की और बाद में मौके पर पहुंची पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद क्या बताया: लिवोनिया पुलिस प्रमुख टॉम गोरालास्की ने बताया कि मृतकों में आरोपी के बुजुर्ग माता-पिता 58 वर्षीय स्टर्लिंग पियर्स, 53 वर्षीय हॉली किम्बल, भाई 22 वर्षीय टैनर पियर्स और टैनर की 21 वर्षीय गर्लफ्रेंड शामिल हैं। पुलिस को सभी शव घर के अलग-अलग हिस्सों से मिले, जिनमें कुछ पीछे के आंगन और कुछ बेडरूम में पाए गए।

हत्या की वजह साफ नहीं। : पुलिस प्रमुख ने बताया कि अभी तक इस हमले के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है, हालांकि आरोपी और उसके माता-पिता के बीच तनावपूर्ण संबंध होने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि यह जांच की जा रही है कि क्या यही विवाद घटना की वजह बना। घटना मंगलवार दोपहर की है, जब पुलिस को सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि जैसे ही टीम पहुंची, आरोपी घर से बाहर आया और उसने खुद स्वीकार किया कि उसने अपने परिवार के लोगों को गोली मारी है। उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने इस घटना को शहर के लिए दुखद और झकझोर देने वाली घटना बताया है और मामले की जांच जारी है।

ट्रंप को मोदी मोदी से माफी मांगनी चाहिए: अमेरिकी गायिका मिलबेन ने भारत यूएस रिश्तों को मजबूत करने की अपील की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मेरी मिलबेन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंध कमजोर पड़ गया है। ऐसा राष्ट्रपति ट्रंप के सलाहकारों की गलत सलाह की वजह से हुआ है। मिलबेन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक माफी उधार है और ट्रंप को जी-7 शिखर बैठक के दौरान माफी मांगनी चाहिए। मिलबेन ने कहा, ट्रंप को फ्रांस में होने वाले इस शिखर सम्मेलन का इस्तेमाल पीएम मोदी के साथ रिश्ते सुधारने के लिए करना चाहिए। मिलबेन, भारत-अमेरिका के मजबूत रिश्तों की मुखर समर्थक हैं और उन्होंने दोनों देशों के मौजूदा संबंधों पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा, हमने निश्चित रूप से राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच राष्ट्रपति के पहले कार्यकाल के दौरान बहुत

अपनापन देखा। निश्चित रूप से, जब 2019 में प्रधानमंत्री हाउडी मोदी रैली के लिए ह्यूस्टन आए थे,

तो हमने दोनों नेताओं के बीच जो अपनापन देखा, वह बहुत असली था और मेरा मानना है कि वह रिश्ता असली है। लेकिन मौजूदा प्रशासन के दौरान यह तालमेल कुछ कमजोर पड़ा है।

अमेरिकी प्रशासन को दी गई गलत सलाह: अमेरिकी गायिका ने कहा, मौजूदा अमेरिकी प्रशासन को भारत के साथ साझेदारी के रणनीतिक महत्व के बारे में गलत सलाह दी गई है। भारतीय विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब देते हुए, मिलबेन ने हाल ही में यह भी कहा था कि मोदी को ट्रम्प की हर टिप्पणी का जवाब देने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें भारतीयों के हित में काम जारी रखना चाहिए।

अमेरिका ने बीएलए व मजीद ब्रिगेड को आतंकी घोषित कराने की पाकिस्तान व चीन की चाल को किया नाकाम: अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित करने के पाकिस्तान व चीन के साझा प्रयास को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान व चीन ने पिछले साल सितंबर में सुरक्षा परिषद में बीएलए तथा मजीद ब्रिगेड को परिषद की 1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति के तहत प्रतिबंधित करने के लिए संयुक्त प्रस्ताव रखा था।

बताया जाता है कि अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने इस महीने इस कोशिश पर लगाम लगा दी। ये तीनों देश सुरक्षा परिषद में वीटो अधिकार रखने वाले स्थायी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि इफ्तिखार अहमद ने कहा था कि आईएसआईएल-के, अलकायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बीएलए और मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान में मौजूद पनाहगाहों से गतिविधियां चलाते हैं।

अफगानिस्तान स्थित 60 से ज्यादा ऐसे आतंकी शिविर सीमापार से घुसपैठ और हमले कराने के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, अमेरिका के साथ ही ब्रिटेन-फ्रांस ने मिलकर पाकिस्तानी मंसूबों पर पानी फेर दिया।

महिला कृषक पाठशाला में जैविक खेती एवं आजीविका संवर्धन पर दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कृषि वर्ष 2026-27 के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड मझौली द्वारा एकीकृत कृषि संकुल योजना अंतर्गत आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत पांड में महिला कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम में महिला कृषकों को जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रह्मास्त्र एवं नीमास्त्र जैसे जैविक कीटनाशकों के निर्माण, जैविक उत्पादन के महत्व तथा सब्जी उत्पादन में वृद्धि के लिए अपनाई जाने वाली तकनीकों की जानकारी दी गई। साथ ही शासन की कृषि, पशुपालन एवं बैकयार्ड सब्जी उत्पादन से संबंधित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाकर लागत कम करने तथा आय बढ़ाने के उपायों से भी अवगत कराया गया प्रशिक्षण में कृषि सीआरपी सुमन गिरी, आईएफसी एंकर शारदा केवट, विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, सहायक विकासखंड प्रबंधक संजीव सिंह, कृषि सीआरपी साधना साकेत, रेनू सिंह, सीटू साकेत, फूलबाई सिंह, सुनीता विश्वकर्मा, शशिकला सिंह एवं ललिता साकेत ने विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी 41 महिला कृषकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण का सफल संचालन विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह द्वारा किया गया।

युवाओं के विचारों से आकार लेगा विकसित सीधी का भविष्य: विधायक

विकसित सीधी-2047 युवा संवाद में उभरे नवाचार, रोजगार, शिक्षा और विकास के नए विजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के समग्र एवं दीर्घकालिक विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से रमा बल्देव पैलेस सीधी में विकसित सीधी-2047: युवा संवाद, चुनौतियाँ और समाधान विषयक युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक सीधी रीती पाठक ने की यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि वर्ष 2047 तक विकसित समृद्ध और आत्मनिर्भर सीधी के निर्माण हेतु युवाओं के विचारों, सुझावों और नवाचारों को मंच प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रीती पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प लिया गया है वह देश के युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में शिक्षा, अधोसंरचना, रोजगार और डिजिटल सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के इस विजन को धरातल पर उतारने के लिए विकसित सीधी-2047 की परिकल्पना को जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और रचनात्मक सोच ही विकसित सीधी के निर्माण की वास्तविक शक्ति है। आज का युवा केवल भविष्य का नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान का परिवर्तनकारी नेतृत्व है। युवाओं के सुझाव और उनकी सहभागिता जिले की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करेगी विधायक पाठक ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और जनभागीदारी को बढ़ावा देना विकसित सीधी के लक्ष्य की आधारशिला है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और नवाचार के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में जिले के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर युवाओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। शिक्षा, रोजगार, डिजिटल सशक्तिकरण, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण, अधोसंरचना विकास तथा सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर युवाओं ने व्यवहारिक सुझाव एवं समाधान रखे। प्रतिभागियों ने जिले में रोजगार के अवसर बढ़ाने, तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, दुग्ध उत्पादन एवं स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष बल दिया।

कैमूर पहाड़ में अनियंत्रित होकर ट्रक खाई में गिरा ड्राइवर समेत दो घायल, रेस्क्यू कर निकाला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के अमिलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सजमानी स्थित कैमूर पहाड़ में गुरुवार दोपहर एक ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया घुमावदार मार्ग पर बिगड़ा संतुलन जानकारी के अनुसार ट्रक कैमूर पहाड़ के घुमावदार मार्ग से गुजर रहा था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक सड़क से नीचे खाई में जा गिरा। खाई में गिरने से वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया हादसे के समय ट्रक में सवार चालक छोटे बहेलिया (49) और रिंकू चौरसिया घायल हो गए। दुर्घटना के बाद दोनों वाहन के अंदर फंस गए थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी, जिसके बाद

बचाव दल मौके पर पहुंचा रेस्क्यू में करनी पड़ी मशक्कत प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक के खाई में गिरते ही तेज आवाज सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। दुर्घटना के बाद चालक वाहन के अंदर फंसा हुआ था, जिससे उसे बाहर निकालने में काफी समय और मेहनत लगी। राहत-बचाव दल और ग्रामीणों ने मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया काफी प्रयास के बाद दोनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे के दौरान खाई की गहराई और दुर्गम स्थान के कारण बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण रहा पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। बचाव कार्य में स्थानीय ग्रामीणों ने भी सहयोग किया, जिसके चलते घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका दुर्घटना के कारणों की जांच पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है हालांकि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे दुर्घटना संभावित माना जाता है मार्ग कैमूर पहाड़ का मार्ग लंबे समय से दुर्घटना संभावित क्षेत्र माना जाता है यहां कई स्थानों पर तीखे मोड़, खड़ी ढलान और गहरी खाइयां हैं ऐसे में वाहन चालकों को इस मार्ग से गुजरते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं हादसे के बाद कुछ समय तक मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा बाद में पुलिस और प्रशासन ने स्थिति को सामान्य कराया फिलहाल दोनों घायलों का उपचार जारी है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सीमेंट से भरा ट्रेलर पलटा, ड्राइवर केबिन में फंसा, दरवाजा तोड़कर चालक को निकाला, हाथ और पैर में गंभीर चोटें

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के जियावान थाना इलाके में गुरुवार दोपहर को हथिओदरा-चौराडाड़ जंगल रास्ते पर अल्ट्राटेक सीमेंट से भरा तेज रफ्तार ट्रेलर बेकाबू होकर पलट गया इस दुर्घटना में ड्राइवर गाड़ी के केबिन में ही बुरी तरह फंस गया यह घटना गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे की है वहां से गुजर रहे राहगीरों ने जब पलटे हुए ट्रेलर को देखा तो वे तुरंत मदद के लिए दौड़े और ड्राइवर को बाहर निकालने की कोशिश में जुट गए। साथ ही लोगों ने फौरन पुलिस को भी इसकी जानकारी दी पुलिस और जनता ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन सूचना मिलते ही डायल-112 और जियावान थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई ड्राइवर के अंदर फंसे होने के कारण तुरंत एक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया

गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर और दूसरे औजारों का इस्तेमाल कर ट्रेलर के पिचके हुए दरवाजे को तोड़ा और टैक्टर में रस्सी बांधकर खींचा तब ड्राइवर को बाहर निकाला जा सका हादसे की खबर पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई हादसे की खबर पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई अस्पताल में चल रहा है इलाजघायल चालक को हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं लेकिन अच्छी बात यह रही कि उसकी जान बच गई। जियावान थाना प्रभारी शेषमणि द्विवेदी ने बताया कि ड्राइवर को तुरंत इलाज के लिए देवसर अस्पताल भेजा गया है जहां उसका प्राथमिक इलाज चल रहा है पुलिस के मुताबिक, शुरुआती तौर पर हादसे की वजह गाड़ी की तेज रफ्तार लग रही है, फिर भी दुर्घटना के असली कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। हादसे के बाद रास्ते पर कुछ देर के लिए जाम लग गया था जिसे पुलिस ने बाद में खुलवाकर यातायात सामान्य कराया।

गरौली में महिला से मारपीट, ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश :थाना प्रभारी बोले- मुझे कोई जानकारी नहीं

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के माड़ा थाना इलाके की ग्राम पंचायत रंपा में गुरुवार दोपहर को जमीन के झगड़े को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई इस दौरान एक महिला के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की गई। आरोप है कि हमलावरों ने महिला पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की और जबरन उसकी जमीन पर ट्रैक्टर से बखर दिया पीड़ित महिला अनीता देवी ने बताया कि जमीन के पुराने विवाद को लेकर शिवेंद्र कुमार शाह, देवेंद्र कुमार शाह, राघवेंद्र शाह, आरती शाह और राजाराम शाह समेत छह से ज्यादा लोग लाठी-डंडे लेकर वहां आ धमके। इन लोगों ने आते ही अनीता देवी के साथ मारपीट शुरू कर दी ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास और जमीन पर कब्जा महिला का

आरोप है कि हमलावर ट्रैक्टर लेकर आए थे और जब उन्होंने विरोध किया, तो उन पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की गई। इसके बाद आरोपियों ने डरा-धमकाकर उनकी एक एकड़ से ज्यादा खेत की जमीन को जबरन जोत डाला इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार अपनी जान-माल को लेकर काफी डरा हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि उन्हें सुरक्षा मिल सके मारपीट कर महिला को रोका और खेत को बखर दिया गया मारपीट कर महिला को रोका और खेत को बखर दिया गया पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्होंने घटना के तुरंत बाद पुलिस को इसकी सूचना दे दी थी। लेकिन जब इस मामले में माड़ा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा से बात की गई तो उन्होंने ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने से साफ मना कर दिया।

नईगढ़ी किले में 32 लाख की चोरी: 620 दिन बाद भी बदमाश फरार, सीसीटीवी में चेहरा दिखने के बाद भी पुलिस खाली हाथ

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले के ऐतिहासिक नईगढ़ी किला परिसर में स्थित मंदिरों में हुई 32 लाख की चोरी का खुलासा 620 दिन बाद भी नहीं हो सका है सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध का चेहरा साफ दिखने के बावजूद पुलिस अब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है गुरुवार को इस मामले को लेकर राजपरिवार ने पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं वहीं र एसडीओपी सचि पाठक ने आरोपियों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है मंदिरों से उखाड़ ले गए थे 32 लाख के जेवरा राजपरिवार से जुड़े पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह ने एसपी सुरेंद्र कुमार जैन से मामले की शिकायत की है उन्होंने बताया कि 28-29 सितंबर 2024 की रात अज्ञात बदमाशों ने सेंगर वंश के राजा क्षत्रधारी सिंह द्वारा स्थापित प्राचीन पंच मंदिर और काली

मंदिर को निशाना बनाया था चोर मंदिरों से देवी-देवताओं के सोने-चांदी के मुकुट, जेवरात और खंभों पर चढ़ी चांदी की परत उखाड़ ले गए थे, जिसकी कीमत 32 लाख रुपए से अधिक थी राजपरिवार से जुड़े अभिमन्यु सिंह ने घटना की जानकारी दी। राजपरिवार से जुड़े अभिमन्यु सिंह ने घटना की जानकारी दी कैमरों के तार काटे, फिर भी फुटेज में कैद हुआ चेहरा हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि किले की सुरक्षा के लिए परिसर में आठ स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे थे बदमाशों ने वारदात से पहले कैमरों के तार काट दिए थे लेकिन फिर भी कुछ फुटेज रिकॉर्ड हो गए वीडियो में कई आरोपी चेहरे ढंके हुए दिखे, जबकि एक संदिग्ध का चेहरा साफ तौर पर कैद हुआ है। घटना के बाद पुलिस, फॉरेंसिक और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए थे। वारदात के दौरान बदमाश सीसीटीवी में कैद हो गए थे वारदात के दौरान बदमाश सीसीटीवी में कैद हो गए थे दो एसपी बदले लोगों में आक्रोश राजघराने से जुड़े कुंवर अभिमन्यु सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि चोरी को करीब दो साल होने जा रहे हैं इस दौरान जिले में स्क बदल चुके हैं लेकिन जांच आगे नहीं बढ़ी उन्होंने आरोप लगाया कि सीसीटीवी साक्ष्य होने के बाद भी पुलिस का खाली हाथ रहना बड़ी नाकामी है मंदिरों से कुल देवी-देवताओं के आभूषण चोरी होने से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है सुरक्षा के लिए परिसर में आठ स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे थे बदमाशों ने वारदात से पहले कैमरों के तार काट दिए सुरक्षा के लिए परिसर में आठ स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे थे।

बड़कुड-पिपरवान गिट्टी क्रशर सील और खदानें सील

अनियमितताओं और नियम उल्लंघन के आरोप में खनिज विभाग की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के चितरंगी क्षेत्र में खनिज नियमों के उल्लंघन के आरोप में प्रशासन ने गुरुवार को दो गिट्टी क्रशर और उनसे संबंधित खदानों को सील कर दिया यह कार्रवाई बड़कुड और पिपरवान क्षेत्र में संचालित इकाइयों पर की गई खनिज विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों इकाइयों को आगामी आदेश तक बंद कर दिया संयुक्त जांच में मिली थीं अनियमितताए जानकारी के अनुसार कुछ समय पहले तहसीलदार चितरंगी, खनिज विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने संबंधित खदानों और क्रशर इकाइयों का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आई थीं। इसके बाद मामले की रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजी गई थी।

जारी किया गया था कारण बताओ नोटिस: जांच रिपोर्ट के

आधार पर कलेक्टर कार्यालय ने संबंधित संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। साथ ही उनकी ईटीपी (ई-ट्रांजिट पास) व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया था। प्रशासन ने संचालकों से निर्धारित समय में जवाब भी मांगा था।

शिकायतों के बाद बढ़ी कार्रवाई: प्रशासन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि ईटीपी बंद होने और नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संबंधित इकाइयों का संचालन जारी है। शिकायतों और विभागीय स्तर पर की गई जांच के बाद खनिज विभाग ने कार्रवाई का निर्णय लिया गुरुवार को विभागीय टीम बड़कुड और पिपरवान पहुंची तथा दोनों क्रशर और खदानों को सील कर दिया कार्रवाई के दौरान आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया भी पूरी की गई।

खनिज अधिकारी ने दी जानकारी: खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल ने बताया कि जांच में सामने आई अनियमितताओं के आधार पर पहले ही संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किया गया था और उनकी ईटीपी व्यवस्था रोक दी गई थी। इसके बावजूद संचालन जारी रहने की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं, जिसे नियमों का उल्लंघन माना गया

उन्होंने बताया कि कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश पर दोनों इकाइयों को आगामी आदेश तक सील किया गया है। साथ ही मामले में खनिज नियमों के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है अन्य संचालकों पर भी रहेगा असर प्रशासन की इस कार्रवाई को जिले में अवैध खनन और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि इससे क्षेत्र में संचालित अन्य खदान और क्रशर संचालकों को भी नियमों का पालन करने का संदेश जाएगा फिलहाल दोनों इकाइयां सील हैं और खनिज विभाग पूरे मामले की आगे जांच कर रहा है प्रशासन का कहना है कि खनन संबंधी नियमों के उल्लंघन पर आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

पीएम स्वनिधि विशेष अभियान आज से शुरू, जोनवार शिविरों में पथ विक्रेताओं को मिलेगा योजना का लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत 'लोक कल्याण मेला के तहत विशेष अभियान की शुरुआत की जा रही है इस अभियान के तहत 12 जून से 22 जून 2026 तक शहर के विभिन्न जोनों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से पथ विक्रेताओं का पंजीयन एवं योजना के लिए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देश तथा जिला कलेक्टर के आदेश के अनुपालन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य शहरी क्षेत्र के अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं को योजना का लाभ उपलब्ध कराना है शिविर प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक संचालित होंगे नगर निगम आयुक्त ने अभियान के सफल संचालन के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी हैं। हितग्राहियों की पहचान शिविर संचालन, बैंक समन्वय एवं जनजागरूकता के लिए विशेष व्यवस्था की गई है ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी योजना से जुड़ सकें अभियान के तहत 12 से 16 जून तक जोन क्रमांक 1 के वार्ड क्रमांक 5 ढेकहा तिराहा, जोन क्रमांक 2 के वार्ड क्रमांक 7 सिरमौर चौक क्षेत्र (फल एवं सब्जी हॉकर्स), जोन क्रमांक 3 के वार्ड क्रमांक 15 नहर के पास रतहरा तथा जोन क्रमांक 4 के वार्ड क्रमांक 39 महामृत्युंजय कॉम्प्लेक्स (एसएएफ चौराहा) में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे नगर निगम प्रशासन ने सभी पात्र पथ विक्रेताओं से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने निकटतम शिविर में पहुंचकर पथ विक्रेता पंजीयन कराएं तथा पीएम स्वनिधि योजना के लिए आवेदन प्रस्तुत करें। निगम प्रशासन का कहना है कि यह योजना छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण और व्यवसाय विस्तार में सहायता मिलेगी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष

संपादकीय

इसकी अनदेखी न की जाए कि स्मार्ट सिटी और मेक इन इंडिया जैसी योजनाएं अपेक्षा के अनुरूप सफल नहीं हो सकीं और आत्मनिर्भर भारत भी अभी एक नारा ही अधिक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक केंद्रीय सत्ता का नेतृत्व करने का रिकार्ड कायम करना उनकी एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन केवल इसे ही रेखांकित किया जाना सही नहीं होगा। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह जानना है कि इन 12 वर्षों में देश में क्या बदला? मोदी सरकार की 12 वर्ष की उपलब्धियों की एक लंबी सूची है। इस सूची में केवल देश की तस्वीर बदलने वाली सफल विकास योजनाएं ही नहीं, बल्कि ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं भी हैं, जिन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला। इन योजनाओं में उज्ज्वला, आवास, बिजली, पानी, शौचालय जैसी योजनाएं ही नहीं, बल्कि जनधन, मुद्रा, स्वनिधि, आयुष्मान, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं भी हैं, जिनसे लोगों को गरीबी रेखा से बाहर आने में मदद मिली। इनमें से अधिकांश योजनाओं की सफलता का आधार प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण यानी डीबीटी बना। डिजिटल भुगतान प्रणाली भी मील का पत्थर बनी। इसी तरह पिछले वर्षों में देश में बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचे का निर्माण हुआ। इसके तहत सड़कें, पुल, हवाईअड्डे, बिजलीघर, आइआइटी, आइआइएम जैसे शिक्षा संस्थान और एम्स सरीखे अस्पताल तो बने ही, रेल और मेट्रो नेटवर्क की भी उल्लेखनीय प्रगति हुई। इस सबसे एक ऐसे भारत का निर्माण हुआ, जिसे नया भारत कहा जा सकता है। मोदी सरकार की सफलताओं में केवल विकास एवं जनकल्याण की योजनाओं की ही गिनती नहीं की जानी चाहिए। उसके कुछ साहसिक फैसलों का भी स्मरण किया जाना चाहिए, जैसे जम्मू-कश्मीर से विभाजनकारी अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाना, पाकिस्तान के खिलाफ एयर स्ट्राइक के साथ आपरेशन सिंदूर के तहत अकल्पनीय सैन्य कार्रवाई करना और माओवाद को खत्म करना। मोदी सरकार को देश की तस्वीर बदलने में जो सफलता मिली, उसी कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का कद बढ़ा। प्रधानमंत्री मोदी के एक सक्षम शासक के रूप में गहरी छाप छोड़ने के चलते ही आज भाजपा तीसरी बार केंद्र की सत्ता में है और 21 राज्यों में उसकी अथवा उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं। भाजपा को बीते 12 वर्षों में जो राजनीतिक बढ़त मिली, उसका श्रेय प्रधानमंत्री के प्रति देश की जनता के भरोसे को जाता है, लेकिन आज जब मोदी सरकार की उपलब्धियों का गुणगान किया जा रहा है, तब यह भी अवश्य देखा जाना चाहिए कि इन 12 वर्षों में वह क्या है, जो हासिल नहीं हो सका अथवा किन क्षेत्रों में सुधार नहीं हो सका। इसकी अनदेखी न की जाए कि स्मार्ट सिटी और मेक इन इंडिया जैसी योजनाएं अपेक्षा के अनुरूप सफल नहीं हो सकीं और आत्मनिर्भर भारत भी अभी एक नारा ही अधिक है।।

मानसून सत्र और भारतीय राजनीति का समुद्र मंथन

सनत जैन

जुलाई माह में संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था तथा विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। पिछले सत्र में परिसीमन बिल सरकार संसद में पास नहीं करा पाई थी। बीते महीनों में जिस तरह से सरकार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश किया धन वापस निकाल रहे हैं। कच्चे तेल के आयात से सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थिति में सरकार मानसून सत्र में कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। देश में खाद्य पदार्थों, ईंधन और घरेलू जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों को लेकर जनता के बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। किसान संगठन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल खरीद और कृषि लागत जैसे मुद्दों पर आंदोलित हैं। वहीं नीट पेपर लीक से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों की ओर से सड़क पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। काकरोच के नाम पर युवा जेन-जी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है।

विपक्षी दलों द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाब में काम करने के आरोप हैं। जबकि सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है। सरकार अपने कार्यकाल में हुए विकासकार्यों, कल्याणकारी योजनाओं तथा आर्थिक उपलब्धियों को सामने रखती है। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने संसद के आगामी सत्र को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही संसद सत्र के पहले अपने-अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने में जुटे हुए हैं।

क्षेत्रीय दलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद का मानसून सत्र आने वाले विधानसभा चुनावों और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में यह मानसून सत्र सरकार के लिए संकटभरा हो सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को यदि समुद्र मंथन की उपमा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। समुद्र मंथन में जिस प्रकार देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सहयोग भी था, उसी प्रकार भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस पौराणिक कथा में पहले विष निकला और अंत में अमृत प्राप्त हुआ था। लोकतंत्र के इस राजनीतिक मंथन से मानसून सत्र में कौन लाभान्वित होगा और किसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा, इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा है।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि मानसून सत्र केवल विधायी कार्यवाही का मंच नहीं रहेगा, बल्कि यह सरकार की नीतियों, विपक्ष की रणनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर व्यापक राजनीतिक बहस का केंद्र बनने जा रहा है। इस राजनीतिक समुद्र मंथन का परिणाम क्या होगा, इसका निर्णय अंततः जनता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं ही तय करेंगी। जिस तरह से सत्ता पक्ष ने लोकसभा एवं राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 6 सांसदों इसके बाद टीएमसी के सांसदों को पार्टी से अलग होकर अलग गुट बनाने या सांसदों से इस्तीफा दिलवाकर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उसका स्पष्ट संकेत है, मानसून सत्र में सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। इसके लिए सरकार किसी भी स्तर पर अपने आपको सुरक्षित करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसका एक संदेश यह भी है, सरकार अंदर से कमजोर है। भाजपा के अंदर से भी असंतोष के स्वर उठने लगे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार ने चारों ओर से सुरक्षित रहने के लिए घेराबंदी शुरु कर दी है।

आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 ज़ारी-

विदेशी निवेशकों को जी-सेक पर टैक्स छूट

क्या भारत वैश्विक पूंजी का नया चुंबक बन रहा है? -भारतीय ऋण बाजार, रुपया और शेयर बाजार पर दूरगामी प्रभाव का व्यापक विश्लेषण

विदेशी निवेशकों को दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर लगभग 12.5 प्रतिशत तथा ब्याज आय पर 20 प्रतिशत तक विदहोल्डिंग टैक्स क़ो ज़ीरो किया

भारत सरकार द्वारा 5 जून 2026 को जारी आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 केवल एक कर सुधार नहीं बल्कि एक व्यापक रणनीतिक आर्थिक कदम के रूप में देखा जा रहा है वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट,ऊंची ब्याज दरों और पूंजी प्रवाह की अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। अमेरिका- इजराइल- ईरान संघर्ष,कच्चे तेल की कीमतों में उतार- चढ़ाव और उभरती अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी पूंजी के निकास ने अनेक देशों की मुद्राओं और वित्तीय बाजारों पर दबाव बढ़ाया है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, तेल कीमतों में अस्थिरता तथा वैश्विक निवेशकों की जोखिम से बचने की प्रवृत्ति ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए नई चुनौतियां पैदा कर दी हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा है। पिछले कुछ महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी निकासी, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ाया।ऐसे समय में भारत सरकार द्वारा 5 जून 2026 को जारी आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 केवल एक कर सुधार नहीं बल्कि एक व्यापक रणनीतिक आर्थिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। इस अध्यादेश के माध्यम से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों तथा बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) को सरकारी प्रतिभूतियों से प्राप्त ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर पूर्ण आयकर छूट प्रदान की गई है, जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। पहले विदेशी निवेशकों को दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर लगभग 12.5प्रतिशत तथा ब्याज आय पर 20 प्रतिशत तकविदहोल्डिंग टैक्स का सामना करना पड़ता था, जबकि अब यह कर भार समाप्त हो गया है। यह निर्णय भारत को वैश्विक निवेश प्रतिस्पर्धा में अधिक आकर्षक बनाने, विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ाने, रुपये पर दबाव कम करने, ऋण बाजार को गहरा करने तथा शेयर बाजार को नई मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यदि इस कर राहत का प्रत्यक्ष वित्तीय प्रभाव देखा जाए तो यह विदेशी निवेशकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उदाहरण के लिए यदि कोई विदेशी पेंशन फंड भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में 1000 करोड़ रुपये का निवेश करता है और उसे 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज प्राप्त होता है, तो पहले 70 करोड़ रुपये की ब्याज आय पर 20 प्रतिशत तक कर देयता उत्पन्न होती थी, अर्थात लगभग 14 करोड़ रुपये कर के रूप में चले जाते थे। अब यह पूरी राशि निवेशक के पास रहेगी। इसी प्रकार यदि किसी विदेशी निवेशक को सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री से 100 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ प्राप्त होता था तो लगभग 12.5 करोड़ रुपये कर के रूप में देने पड़ते थे। नए प्रावधानों के बाद यह राशि भी पूर्णतः बच जाएगी। अर्थात एक बड़े संस्थागत निवेशक के लिए कुल कर बचत कई करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तक पहुंच सकती है। यही कारण है कि वैश्विक पेंशन फंड, बीमा कंपनियां, संप्रभु धन कोष और दीर्घकालिक निवेशक भारत को अब पहले से कहीं अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में सटीकता से देख सकते हैं।

साथियों बात अगर हम इस सुधार का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य को समझने की करें तो, भारतीय ऋण बाजार को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। विश्व के अनेक विकसित और उभरते देशों ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकारी बॉन्ड्स पर कर संबंधी रियायतें दी हुई हैं। भारत में अपेक्षाकृत अधिक कराधान विदेशी निवेशकों के लिए एक बाधा माना जाता था। अब जब यह बाधा समाप्त हो गई है तो भारतीय सरकारी प्रतिभूतियां वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक लाभकारी और प्रतिस्पर्धी बन जाएंगी। इससे भारतीय बॉन्ड बाजार की गहराई बढ़ेगी, लेन-देन की मात्रा में वृद्धि होगी और भारत की वित्तीय प्रणाली में दीर्घकालिक स्थिर पूंजी का प्रवाह सुनिश्चित होगा।यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब पिछले कुछ महीनों से वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण भारतीय रुपये पर दबाव देखा जा रहा था। तेल आयात पर अत्यधिक निर्भरता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव भारतीय मुद्रा पर पड़ता है। यदि विदेशी निवेशक बड़ी मात्रा में डॉलर लेकर भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं तो विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि होगी और डॉलर की आपूर्ति बढ़ने से रुपये को समर्थन मिलेगा। यद्यपि किसी एक नीति के कारण रुपये में तत्काल और नाटकीय मजबूती की अपेक्षा नहीं की जा सकती, लेकिन मध्यम और दीर्घकालिक अवधि में यह कदम रुपये की स्थिरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मजबूत रुपया न केवल आयात लागत को नियंत्रित करता है बल्कि विदेशी निवेशकों के लिए मुद्रा जोखिम भी कम करता है, जिससे भारत में और अधिक निवेश आकर्षित होने की संभावना सटीकता से बनती है।

साथियों, भारतीय शेयर बाजार पर भी इस निर्णय का बहु आयामी प्रभाव पड़ सकता है। पहली दृष्टि में यह कदम बॉन्ड बाजार से जुड़ा दिखाई देता है,लेकिन वास्तव में ऋण और इक्विटी बाजार एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। जब विदेशी निवेशक सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए भारत आते हैं तो उनके द्वारा लाया गया पूंजी प्रवाह वित्तीय प्रणाली की समग्र तरलता को बढ़ाता है। बेहतर तरलता का लाभ अंततः शेयर बाजार को भी मिलता है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली से जो दबाव बाजार पर बनता है, उसमें कमी आने की संभावना है। यदि विदेशी पूंजी का प्रवाह स्थिर होता है तो बाजार की धारणा में सुधार होगा और घरेलू निवेशकों का विश्वास भी सटीकता से मजबूत होगा। साथियों, सरकार द्वारा किए गए अन्य सुधार इस प्रभाव को और व्यापक बनाते हैं। भारत के बाहर रहने वाले व्यक्तियों के लिए सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों में निवेश की व्यक्तिगत सीमा को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तथा कुल सीमा को 24 प्रतिशत तक बढ़ाना एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका अर्थ है कि विदेशी निवेशकों के पास अब भारतीय कंपनियों में अधिक हिस्सेदारी लेने का अवसर होगा। विशेष रूप से लार्ज- कैप और मिड-कैप कंपनियों में विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना है। इससे बाजार में नई पूंजी आएगी, शेयरों की मांग बढ़ेगी और मूल्यांकन को समर्थन मिलेगा।इस नीति का एक और महत्वपूर्ण प्रभाव सरकारी बॉन्ड यील्ड पर पड़ सकता है।जब किसी परिसंपत्ति की मांग बढ़ती है तो उसकी कीमत बढ़ती है और यील्ड घटती है। यदि विदेशी निवेशकों की मांग बढ़ने से सरकारी प्रतिभूतियों की कीमतें ऊपर जाती हैं तो यील्ड में कमी आ सकती है। सरकारी बॉन्ड यील्ड को अक्सर पूरी अर्थव्यवस्था के लिए बेंचमार्क माना जाता है। यील्ड कम होने का अर्थ है कि सरकार, बैंक और निजी कंपनियां अपेक्षाकृत कम लागत पर धन जुटा सकेंगी। इससे कॉर्पोरेट क्षेत्र की पूंजी लागत घटेगी, निवेश बढ़ेगा और आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

साथियों, विशेष रूप से बैंकिंग, एनबीएफसी, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट क्षेत्र इस परिवर्तन से लाभान्वित हो सकते हैं। बैंक और वित्तीय संस्थान सरकारी प्रतिभूतियों के बड़े धारक होते हैं। यदि बॉन्ड कीमतें बढ़ती हैं तो उन्हें ट्रेजरी लाभ प्राप्त हो सकता है। वहीं कम ब्याज दरों का वातावरण कर्ज आधारित क्षेत्रों के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट परियोजनाओं की वित्तीय लागत घटने से उनकी लाभप्रदता बढ़ सकती है। इससे इन क्षेत्रों की सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय परिणाम बेहतर होने की संभावना बनती है।भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा फुली एक्सेसिबल रूट के अंतर्गत 15, 30 और 40 वर्ष की नई सरकारी प्रतिभूतियों को शामिल करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे दीर्घकालिक निवेशकों को अधिक विकल्प मिलेंगे। पेंशन फंड और संप्रभु धन कोष जैसे निवेशक लंबी अवधि की परिसंपत्तियों को प्राथमिकता देते हैं। जब उन्हें भारत में लंबी अवधि की, सुरक्षित और कर-मुक्त सरकारी प्रतिभूतियां उपलब्ध होंगी तो उनका निवेश बढ़ने की संभावना स्वाभाविक है। इसी प्रकार शॉर्ट-टर्म निवेश सीमा, कंसंट्रेशन लिमिट और व्यक्तिगत सिक्योरिटी लिमिट जैसी कई बाधाओं को हटाने से निवेश प्रक्रिया अधिक सरल और आकर्षक बनेगी।हालांकि इस नीति के प्रभाव का मूल्यांकन करते समय संतुलित दृष्टिकोण अपनाना भी आवश्यक है। केवल कर छूट देना पर्याप्त नहीं होता। विदेशी निवेशक राजनीतिक स्थिरता, नियामकीय पारदर्शिता, मुद्रास्फीति, विनिमय दर जोखिम और आर्थिक विकास की संभावनाओं को भी ध्यान में रखते हैं। यदि वैश्विक वित्तीय परिस्थितियां प्रतिकूल रहती हैं या भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है तो अपेक्षित पूंजी प्रवाह सीमित भी रह सकता है। इसलिए इस नीति को व्यापक आर्थिक सुधारों और स्थिर नीतिगत वातावरण के साथ जोड़कर देखना चाहिए। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।मजबूत जनसांख्यिकीय आधार, बढ़ता उपभोक्ता बाजार, डिजिटल परिवर्तन, बुनियादी ढांचे में निवेश और अपेक्षाकृत उच्च आर्थिक विकास दर भारत को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बनाते हैं। ऐसे में कर छूट और निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने जैसे कदम भारत की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को और मजबूत करते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 भारत की वित्तीय और निवेश नीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज आय और पूंजीगत लाभ को कर-मुक्त बनाकर भारत ने वैश्विक निवेशकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह दीर्घकालिक विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए गंभीर और प्रतिबद्ध है। इस निर्णय से विदेशी निवेशकों की कर बचत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, भारतीय ऋण बाजार अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा, रुपये को संरचनात्मक समर्थन मिलेगा, कॉर्पोरेट क्षेत्र की पूंजी लागत घट सकती है और शेयर बाजार को नई मजबूती प्राप्त हो सकती है। यदि यह नीति अपेक्षित स्तर पर विदेशी पूंजी आकर्षित करने में सफल होती है, तो आने वाले वर्षों में भारत न केवल एशिया बल्कि विश्व के प्रमुख निवेश गंतव्यों में अपनी स्थिति और अधिक मजबूत कर सकता है।

बच्चों के मौलिक अधिकारों को बाधित करता है बाल श्रम

बाल श्रम के खिलाफ हर साल 12 जून को 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है। पहली बार यह दिवस वर्ष 2002 में बाल श्रम को रोकने के लिए जागरूकता और सक्रियता बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था। इस वर्ष यह दिवस 'बाल श्रम के खिलाफ लाल कार्ड: बच्चों के लिए निष्पक्ष खेल, व्यस्कों के लिए सम्मानजनक काम' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो बाल श्रम को पूरी तरह से समाप्त करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ठोस कार्रवाई और नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता का संचार करता है। बाल श्रम इतनी आसान समस्या नहीं है, जितनी लगती है।

(विश्व बाल श्रम निषेध दिवस (12 जून) पर विशेष)

अतुल गोयल

बच्चों को उनकी इच्छा के विरुद्ध किसी भी प्रकार के काम में शामिल करने का कार्य है बाल श्रम, जो उनके मौलिक अधिकारों को बाधित करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 के अनुसार चौदह वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को किसी कारखाने या खदान में या किसी खतरनाक रोजगार में नियोजित नहीं किया जाएगा। बाल श्रम की समस्या केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व में प्रचलित है। यह समस्या अफ्रीका और भारत सहित कई अविकसित या विकासशील देशों में प्रमुख है। बाल श्रम एशिया में 22 फीसदी, अफ्रीका में 32 फीसदी, लैटिन अमेरिका में 17 फीसदी, अमेरिका, कनाडा, यूरोप और अन्य धनी देशों में 1 फीसदी है।

जब हम किसी रेस्तरां, टी-स्टॉल, होटल, कारखानों अथवा चूड़ी उद्योग में जाते हैं तो हम वहां 14 साल से कम उम्र के बच्चों को आसानी से काम करते हुए देख सकते हैं। सुबह-सुबह घर-घर अखबार बांटना, सड़क किनारे जूते पॉलिश करना, कूड़े-कचरे के ढ़ेर में कागज-पॉलीथिन चुनना, 21वीं सदी में भी जब खेलने-कूदने और पढ़ने-लिखने की उम्र में लाखों बच्चों को ऐसे कार्यों के जरिये अपने परिवार के लिए आय जुटते देखते हैं तो बहुत दुख होता है। इसके अलावा बीड़ी उद्योग, कालीन उद्योग, कांच, पीतल, ज्वैलरी उद्योग सहित कई अन्य खतरनाक काम-धंधों में भी मासूम बचपन हाड़-तोड़ मेहनत करते देखा जाता है।

बाल श्रम न केवल उन्हें उनकी आवश्यक शिक्षा से वंचित कर रहा है बल्कि जिस अस्वच्छ वातावरण के तहत वे काम कर रहे हैं, वहां तरह-तरह की बीमारियां होने की संभावना भी कई गुना ज्यादा रहती है। ऐसे माहौल में काम करने वाले बच्चों को सांस की बीमारी, त्वचा रोग, दमा, टीबी, रीढ़ की हड्डी की बीमारी, कैंसर, कुपोषण, समय से पहले बुढ़ापा इत्यादि कुछ घातक बीमारियां होने की संभावना बढ़ने के अलावा यह समस्या राष्ट्र की प्रगति और विकास के मार्ग में एक बड़ी बाधा के रूप में उभरती है। दरअसल देश की युवा पीढ़ी के कंधों पर ही देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और बालश्रम जैसी समस्या के कारण वही प्रभावित होती है तो राष्ट्र के विकास की रफ्तार प्रभावित होना भी तय है।

बाल श्रम की प्रथा के पीछे कई कारण हैं लेकिन इस मुद्दे की महत्वपूर्ण रीढ़ गरीबी ही है। जब कोई परिवार पानी, भोजन, शिक्षा इत्यादि अपनी मूलभूत दैनिक आवश्यकताओं को पूरा

करने में सक्षम नहीं हो पाता तो कई बार ऐसे कुछ परिवार अपनी इन जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने छोटे-छोटे मासूम बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजने के बजाय काम पर भेजने के विकल्प का चयन करते हैं और ऐसे ही कुछ परिवार बाल तस्करों के शिकंजे में फंस जाते हैं तथा कुछ हजार रुपयों के लिए अपने जिगर के टुकड़े को उनके हवाले कर देते हैं। निरक्षरता दर में वृद्धि, बड़े पैमाने पर विस्थापन इत्यादि के पीछे संचालित कारक गरीबी ही है। गरीबी के अलावा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच की कमी, निरक्षरता, मौलिक अधिकारों और 1986 के बाल श्रम अधिनियम के बारे में सीमित ज्ञान, ये सभी कारक भी बाल श्रम की समस्या को विकराल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये कारक न केवल बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों और बचपन से वंचित कर रहे हैं बल्कि देश को अंधकारमय भविष्य की ओर धकेलने में भी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

बहरहाल, बाल श्रम जैसी गंभीर और बहुआयामी समस्या का स्थायी समाधान केवल कानून बनाने से संभव नहीं है। इसके लिए सबसे पहले उस मूल कारण पर प्रहार करना होगा, जो इस समस्या को जन्म देता है और वह है गरीबी। जब परिवार अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने में असमर्थ होते हैं, तब बच्चों को स्कूल भेजने के बजाय काम पर भेजना उनकी मजबूरी बन जाता है। इसलिए सरकार को ऐसी नीतियां अपनानी होंगी, जो गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। रोजगार सृजन, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। साथ ही, बाल श्रम से संबंधित मौजूदा कानूनों और नीतियों की समीक्षा कर उनमें मौजूद कमियों को दूर करना भी आवश्यक है। कानून तभी प्रभावी साबित होंगे, जब उनका कठोरता और पारदर्शिता के साथ पालन कराया जाए। बाल श्रमिकों को रोजगार देने वाले व्यक्तियों और संस्थानों के खिलाफ त्वरित एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। निरीक्षण तंत्र को मजबूत बनाकर असंगठित क्षेत्रों में भी प्रभावी निगरानी स्थापित करनी होगी। बाल श्रम उन्मूलन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। यदि हम अपने आसपास किसी बच्चे को मजदूरी करते देखें तो इसे सामान्य घटना मानकर अनदेखा न करें बल्कि तुरंत पुलिस, श्रम विभाग या संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दें। गैर-सरकारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों और मीडिया को भी व्यापक जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि लोगों को बाल श्रम के दुष्परिणामों और बच्चों के अधिकारों के बारे में जानकारी मिल सके। जब सरकार, समाज और नागरिक मिलकर साझा संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे, तभी बाल श्रम मुक्त और बच्चों के अनुकूल भारत का निर्माण संभव हो सकेगा।

नैनो उर्वरकों पर बढ़ा किसानों का भरोसा, लालपुर के प्रयाग सिंह ने उठाया आधुनिक खेती की ओर कदम

आसपास के किसानों की सफलता से मिली प्रेरणा, पहली बार करेंगे नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खेती में नई तकनीकों और वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की दिशा में क्षेत्र के किसान तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम लालपुर निवासी किसान प्रयाग सिंह ने इस वर्ष अपनी खेती में पहली बार नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है। आसपास के किसानों की बेहतर पैदावार और सकारात्मक अनुभवों ने उन्हें इस आधुनिक उर्वरक तकनीक पर भरोसा करने के लिए प्रेरित किया है।

प्रयाग सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने गांव और आसपास के कई किसानों की फसलों में नैनो उर्वरकों के उपयोग के बाद उल्लेखनीय सुधार देखा है। बेहतर वृद्धि, स्वस्थ फसल और संतोषजनक उत्पादन ने उनके मन में भी विश्वास पैदा किया कि नैनो उर्वरक खेती के लिए एक प्रभावी विकल्प साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी फसलों को आवश्यक पोषक तत्व अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराते हैं, जिससे पौधों की बढ़वार बेहतर होती है और उत्पादन क्षमता में वृद्धि की संभावना रहती है। यही कारण है कि उन्होंने इस सीजन में अपनी खेती में इनका उपयोग करने का फैसला किया है।

प्रयाग सिंह के अनुसार नैनो उर्वरकों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सुविधा है। पारंपरिक उर्वरकों के भारी बोरे ढोने की तुलना में नैनो उर्वरक छोटी बोतलों में उपलब्ध होते हैं, जिन्हें ले जाना, संग्रहित करना और उपयोग करना बेहद आसान है। इससे किसानों का समय, श्रम और परिवहन लागत तीनों की बचत होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से न केवल उनकी फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार होगा, बल्कि खेती की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र की सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है, जिससे खेती संबंधी कार्य सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं। प्रयाग सिंह का मानना है कि बदलते समय के साथ किसानों को भी नई तकनीकों को अपनाना चाहिए। उन्होंने अन्य किसानों से वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित खेती और आधुनिक कृषि नवाचारों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे कृषि अधिक लाभकारी, टिकाऊ और समृद्ध बन सकती है।

किसानों के बीच बढ़ रही नैनो उर्वरकों की लोकप्रियता क्षेत्र में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के प्रति किसानों का बढ़ता विश्वास इस बात का संकेत है कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी बदलाव अब जमीनी स्तर तक पहुंच रहे हैं। प्रयाग सिंह जैसे किसानों का आगे आकर नई तकनीकों को अपनाना न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

इंदौर के डायल-112 हीरोज: भटकी 4 वर्षीय बालिका को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। इंदौर जिले के थाना चंदन नगर क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता और तत्परता से घर का रास्ता भटकी 4 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया जानकारी के अनुसार 10 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना मिली थी कि राजनगर स्थित सांवरिया टेंट हाउस के पास एक छोटी बच्ची अकेली घूम रही है और अपने घर का रास्ता भटक गई है। सूचना मिलते ही चंदन नगर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन तत्काल मौके पर पहुंचा डायल-112 स्टाफ आरक्षक विपिन रघुवंशी, आरक्षक अनिल और पायलट पंकज पांडे ने बच्ची को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया।

अज्ञात मृतक की शिनाख्त के लिए पुलिस ने जारी किया इश्तहार, आमजन से मांगी सहायता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। थाना जनकपुर क्षेत्र में मिले एक अज्ञात मृतक की पहचान स्थापित करने के लिए पुलिस विभाग ने इश्तेहार जारी कर आमजन से सहयोग की अपील की है मामले की जांच थाना जनकपुर में दर्ज अपराध क्रमांक 114/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 06 जून 2026 को ग्राम जनकपुर के समीप मुख्य मार्ग के किनारे स्थित एक नाले के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ था प्रारंभिक जांच में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पत्थर एवं बोतल के शीशों से हमला कर हत्या किए जाने की आशंका जताई गई है घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है मृतक की आयु लगभग 33 वर्ष तथा कद करीब 5 फीट 4 इंच बताया गया है मृतक ने नीले रंग की जींस और हल्के नीले रंग की फूल शर्ट पहन रखी थी उसके दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में चांदी की अंगूठी भी पाई गई है जो पहचान का महत्वपूर्ण आधार बन सकती है। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में मृतक की पहचान के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन अब तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है।

इसी कारण पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा इश्तहार जारी कर नागरिकों से जानकारी साझा करने का आग्रह किया गया है पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो वह तत्काल थाना जनकपुर अथवा पुलिस अधीक्षक कार्यालय एमसीबी को सूचित करें। जानकारी देने के लिए पुलिस अधीक्षक एमसीबी के मोबाइल नंबर 9479194855, एसडीओपी भरतपुर के मोबाइल नंबर 9779193702, थाना जनकपुर के मोबाइल नंबर 9479193718 तथा कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9479160180 पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस का कहना है कि आमजन का सहयोग मृतक की पहचान स्थापित करने एवं मामले के शीघ्र निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

लोन ऐप के नाम पर ब्लैकमेलिंग करने वाला साइबर गिरोह पकड़ा, 4 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। राजगढ़ पुलिस ने फर्जी लोन रिकवरी और साइबर ब्लैकमेलिंग करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है आरोपियों पर लोगों की फोटो का दुरुपयोग कर अश्लील सामग्री तैयार करने और उसे वायरल करने की धमकी देकर अवैध वसूली करने का आरोप है पुलिस के अनुसार 2 जून को एक पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ अज्ञात व्यक्ति व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी लोन रिकवरी के नाम पर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। आरोपियों ने उसकी फोटो से आपत्तिजनक सामग्री बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी जिसके दबाव में पीड़ित ने 28 हजार रुपये विभिन्न यूपीआई खातों में भेज दिए जांच के दौरान पुलिस ने मोबाइल नंबर, बैंक खाते और डिजिटल ट्रांजेक्शन का विश्लेषण किया इसमें खुलासा हुआ कि गिरोह लोगों को ब्लैकमेल कर वसूली की गई रकम को विभिन्न खातों के माध्यम से क्रिप्टो करेंसी स्वरूप में बदल देता था। आरोपी अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म का उपयोग कर लेन-देन के स्रोत छिपाने का प्रयास करते थे। राजगढ़ पुलिस ने उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में उनके खातों से लगभग 30 लाख रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन के संकेत मिले हैं पुलिस को गिरोह के अंतर्राज्यीय और संभावित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े होने के भी सुराग मिले हैं।

बोलेरो ने 3 लोगों को रौंदा, जीजा-साले की मौत, झांसी में पूजा में शामिल होकर बाइक से घर लौट रहे थे, एक की हालत नाजुक

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। झांसी में तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी ने बाइक सवार 3 लोगों को रौंद दिया हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक की हालत नाजुक बनी हुई है मरने वाले दोनों व्यक्ति रिश्ते में जीजा-साले लगते थे तीनों धार्मिक पूजा में शामिल होकर बुधवार देर रात बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में तेज रफ्तार में बोलेरो गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी। मौके पर ही प्रीतम अहिरवार (60) की मौत हो गई। दो घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया यहां पर इलाज के दौरान प्रीतम के जीजा प्रेमी अहिरवार (60) ने दम तोड़ दिया। एक घायल की हालत नाजुक बनी है। हादसा रक्सा थाना क्षेत्र के झांसी-शिवपुरी हाइवे पर डगरवाहा गांव के पास हुआ है पूजा में आया थे ग्रामीण हादसे के बाद बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हादसे के बाद बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के सेवड़ी गांव निवासी शंकर अहिरवार ने बताया- मेरे गांव के परशुराम अहिरवार के परिवार ने बुधवार को सिमरधा बांध के पास धार्मिक स्थान पर पूजा कराई थी। इसमें गांव के लोगों का खाना था इसलिए मेरे बड़े पापा प्रीतम अहिरवार, उनके जीजा प्रेमी अहिरवार गांव के आनंद अहिरवार (26) के साथ खाना खाने आए थे। खाना खाकर देर रात तीनों बाइक से घर लौट रहे थे। बाइक आनंद चला रहा था। जब वे डगरवाहा गांव के पास पहुंचे, तो पानी पीने के लिए रुक गए। इस दौरान एक बोलेरो गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग गया एक की मौके पर मौत हुई दो लोगों की मौत के बाद परिजन सदमे में हैं दो लोगों की मौत के बाद परिजन सदमे में हैं हादसे में प्रीतम अहिरवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रेमी अहिरवार और आनंद अहिरवार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। यहां पर इलाज के दौरान सुबह प्रेमी अहिरवार की मौत हो गई। अभी आनंद की स्थिति नाजुक बनी है प्रेमी खेती किसानी करते थे उनके तीन बेटे शंकर, रंजीत और रामसेवक व एक बेटी गुड्?डी है चारों बच्चों की शादी हो चुकी है।

लाखों के जेवर चुराने वाले दो आरोपी और नाबालिग गिरफ्तार, पुलिस ने 3 लाख के जेवर बरामद किए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र में हुई लाखों रुपए के जेवरात चोरी की वारदात का पुलिस ने गुरुवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है चोरी गए करीब 3 लाख रुपए के सभी जेवरात बरामद कर लिए गए हैं यह घटना खनियाधाना थाना क्षेत्र के ग्राम मुहारीकला में हुई थी। 24 मई 2026 को अरविंद लोधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23-24 मई की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने उनके कमरे और अलमारी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए थे। चोरी गए जेवरों की कीमत लगभग 3 लाख रुपये आंकी गई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी केदार सिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर ग्राम मुहारीकला निवासी यशपाल लोधी को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में यशपाल ने अपने साथी सोनसिंह उर्फ सुल्ली लोधी और एक नाबालिग के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल क चोरी गए सभी जेवरात बरामद पुलिस ने तीनों आरोपियों से गहन पूछताछ के बाद चोरी गए सोने-चांदी के सभी जेवरात बरामद कर लिए। गिरफ्तार आरोपियों में 29 वर्षीय सोनसिंह उर्फ सुल्ली लोधी और 21 वर्षीय यशपाल लोधी, दोनों ग्राम मुहारीकला के निवासी हैं। 16 वर्षीय नाबालिग को शिवपुरी के किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया पुलिस के अनुसार, आरोपियों का पीड़ित के घर आना-जाना था, जिससे उन्हें घर में रखे कीमती सामान की जानकारी थी उन्होंने मौका पाकर इस वारदात को अंजाम दिया।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के लिए प्रवेश परीक्षा

5 जुलाई कोकक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू, 20 जून आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा संबंधी संशोधित दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। योजना के तहत विद्यार्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन उच्च गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाएगा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार इच्छुक विद्यार्थी ऑफलाइन आवेदन पत्र जिला कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से प्राप्त कर सकते हैं तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन जमा कर सकेंगे आवेदन पत्र विद्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 20 जून 2026 (शनिवार) निर्धारित की गई है इसके पश्चात विद्यालय प्रमुख द्वारा आवेदन पत्रों का परीक्षण कर उन्हें विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय को 22 जून 2026 (सोमवार) तक प्रेषित किया जाएगा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा समस्त आवेदनों की सूची तैयार कर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय कोरिया में 24 जून 2026 (बुधवार) तक जमा की जाएगी प्राप्त आवेदनों की जानकारी राज्य मुख्यालय को 25 जून 2026 (गुरुवार) को भेजी जाएगी इसी दिन परीक्षा केंद्रों का निर्धारण तथा प्रवेश पत्र जारी करने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी और इसकी जानकारी विद्यालयों एवं विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाएगी।

राज्य मुख्यालय स्तर पर सीलबंद प्रश्न पत्रों का वितरण 03 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को किया जाएगा प्रवेश परीक्षा का आयोजन जिला एवं विकासखंड स्तर पर 05 जुलाई 2026 (रविवार) को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा परीक्षा सम्पन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एवं परीक्षा परिणाम जारी करने की प्रक्रिया 06 जुलाई 2026 (सोमवार) को प्रारंभ होगी। परीक्षा परिणाम समाचार पत्रों, सोशल मीडिया एवं जिला वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे विद्यार्थी एवं अभिभावक अपनी दावा-आपत्ति 09 जुलाई 2026 (गुरुवार) तक सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण 10 जुलाई 2026 (शुक्रवार) तक किया जाएगा दावा-आपत्ति निराकरण के बाद अंतिम मेरिट सूची 11 जुलाई 2026 (शनिवार) को जारी की जाएगी तथा चयनित विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को मोबाइल के माध्यम से सूचना प्रदान की जाएगी साथ ही जिला स्तरीय काउंसलिंग की तिथि की जानकारी भी जारी की जाएगी।

पानी थाली में गिरने पर पड़ोसियों से विवाद :मारपीट में महिला को लगे टांके, पांच दिन बाद भी FIR दर्ज नहीं

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के सीहोर थाना क्षेत्र के ग्राम गनियार निवासी सीमा कुशवाह ने गांव के दो भाइयों पर मारपीट का आरोप लगाया है महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग की है उनका आरोप है कि पांच दिन में दूसरी बार एसपी ऑफिस पहुंचने के बावजूद अब तक आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई है सीमा कुशवाह के अनुसार यह घटना 7 जून की सुबह उनके घर पर हुई वह खाना खा रही थीं तभी पड़ोसी दौलत सिंह कुशवाह ने पानी की पाइपलाइन चालू कर दी जिससे उनकी थाली में पानी भर गया जब सीमा ने इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया महिला का आरोप है कि दौलत सिंह ने उनके साथ मारपीट की जिससे उनके चेहरे और नाक के पास गंभीर चोटें आईं और उन्हें टांके लगवाने पड़े शिकायत में बताया गया है कि घटना के दौरान सतेन्द्र कुशवाह भी मौके पर पहुंच गया दोनों भाइयों ने मिलकर सीमा के साथ मारपीट की जब उनके पति बीच-बचाव करने आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद वह शिकायत लेकर सीहोर थाने पहुंची थीं लेकिन वहां उनकी एफआईआर दर्ज नहीं की गई इसके बाद उन्होंने जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक से शिकायत की पीड़िता बोले- शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं महिला का आरोप है कि जनसुनवाई में एसपी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और उन्हें थाने भेजा लेकिन थाने में भी मामला दर्ज नहीं किया गया सीमा कुशवाह ने यह भी बताया कि जब वह दोबारा सीहोर थाने पहुंचीं तो थाना प्रभारी ने उन्हें वापस एसपी कार्यालय जाकर वहीं एफआईआर दर्ज कराने की बात कहकर लौटा दिया।

डेढ़ साल में 100 भैंसें टाइगर के लिए चुराईं, बुजुर्ग बोला- मैंने भैंस का बच्चा वाहन में ले जाते देखा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को शिवपुरी में ग्वालियर-चंबल संभाग से हजारों की संख्या में समाजजन एकत्रित हुए गांधी पार्क से रैली निकालकर गुर्जर समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा इस दौरान समाज के नेताओं ने वन विभाग और माधव टाइगर रिजर्व के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए और नाराजगी व्यक्त कीद इस दौरान समाज के लोगों ने माधव टाइगर रिजर्व के कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए समाज के प्रतिनिधियों का कहना था कि सुरवाया क्षेत्र से पिछले डेढ़ वर्ष में करीब 100 भैंसों को चोरी कर टाइगरों के लिए ले जाया गया है उनका दावा है कि इस मामले का खुलासा तब हुआ जब एक बुजुर्ग ग्रामीण ने कथित तौर पर एक भैंस के बच्चे को डीसीएम वाहन में ले जाते हुए देखा। ग्रामीणों ने बताया कि पहले वे अपने मवेशियों के गायब होने को टाइगरों का हमला मानते थे। हालांकि बाद में उन्हें संदेह हुआ कि मवेशियों को जानबूझकर टाइगरों के आगे छोड़ा जा रहा है समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि टाइगर रिजर्व को मिलने वाले फंड के दुरुपयोग के लिए ग्रामीणों के मवेशियों को टाइगरों का निवाला बनाया जा रहा है उन्होंने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। समाज के प्रतिनिधि प्रदीप सिंह गुर्जर ने बताया कि शिवपुरी में करीब 10 हजार समाजजन एकत्रित हुए थे उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समाज की मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर से लाखों की संख्या में गुर्जर समाज के लोग शिवपुरी पहुंचकर बड़ा आंदोलन करेंगे इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी ज्ञापन में समाज ने कई अन्य मांगें भी रखीं। इनमें झिरना सरकार स्थान को संरक्षित करना, वन विभाग द्वारा कथित उत्पीड़न रोकना, वर्षों से खेती कर रहे किसानों को पट्टे देना, माधव टाइगर रिजर्व क्षेत्र के प्रभावित गांवों के परिवारों को पुन: सर्वे में शामिल कर विस्थापन एवं मुआवजा देना शामिल है इसके अतिरिक्त धनसिंह कोतवाल, पन्नाधाय और भगवान देवनारायण की प्रतिमाएं स्थापित करने, ऐतिहासिक मंदिरों के संरक्षण, ईको सेंसिटिव जोन से प्रभावित गांवों के पुनर्वास तथा नरवर नगर वन क्षेत्र में पार्क जाने वाले रास्ते को बंद नहीं करने की मांग भी की गई उल्लेखनीय है कि भैंस का पड़ा गायब होने के मामले को लेकर मंगलवार रात ग्रामीणों ने सुरवाया थाना क्षेत्र में धरना प्रदर्शन किया था। इस मामले में सुरवाया थाना पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर चुकी है गुर्जर समाज ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

डीएपी खाद से भरा ट्रक जब्त, ड्राइवर-हेल्पर पर एफआईआर में 800 में से 366 कट्टे मिले, 434 कट्टों की सप्लाई की जांच शुरू

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस में डीएपी खाद से भरे एक ट्रक की जब्ती के मामले में पुलिस ने गुरुवार को एफआईआर दर्ज की है कृषि विभाग की शिकायत पर ट्रक चालक सुनील गुर्जर और हेल्पर कृपाल गिरी के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है प्रशासन अब इस बात की भी जांच कर रहा है कि ट्रक में लाए गए सैकड़ों खाद के कट्टों में से बड़ी मात्रा में खाद कहां उतारी गई जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई 10 जून को हुई थी एसडीएम अनूप श्रीवास्तव के निर्देश पर तहसीलदार प्रदीप भार्गव, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एस.एस. जाटव सहित कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मां कैला देवी वेयरहाउस परिसर में खड़े ट्रक क्रमांक आरजे-17-जीबी-8058 की जांच की। जांच के दौरान ट्रक में श्रीराम एग्रो इंडस्ट्रीज, भरूच (गुजरात) द्वारा निर्मित रघुवीरा सरदार ऑर्गेनिक सब्स्टीट्यूट ऑफ डीएपी के 366 कट्टे मिले ड्राइवर भागा, हेल्पर पकड़ा गया कार्रवाई के दौरान, टीम को देखकर ट्रक ड्राइ?वर सुनील गुर्जर मौके से फरार हो गया, जबकि हेल्पर कृपाल गिरी वहीं मौजूद था। पूछताछ में हेल्पर खाद से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद, अधिकारियों ने पंचनामा तैयार किया, खाद के नमूने जांच के लिए लिए और ट्रक सहित खाद को जब्त कर लिया जिला कृषि कार्यालय से अनुमति मिलने के बाद, जब्त खाद को ट्रक से उतरवाकर ट्रैक्टरों के माध्यम से मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ के मंडी स्थित गोदाम में सुरक्षित रखवाया गया खाली ट्रक को पुलिस की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है प्राथमिकी में कृषि विभाग ने उल्लेख किया है कि ड्राइ?वर और हेल्पर द्वारा खाद का अवैध परिवहन किया जा रहा था, और क्षेत्र में इसके विक्रय की संभावना थी। इसी आधार पर दोनों के खिलाफ उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 7 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मामला दर्ज किया गया है जांच में सामने आया है कि ट्रक में करीब 800 कट्टे खाद भरकर लाए गए थे जबकि प्रशासन को केवल 366 कट्टे ही मिले। ऐसे में लगभग 434 कट्टे खाद पहले ही कहीं उतारे जाने की आशंका जताई जा रही है जिसकी जांच जारी है प्रशासन और कृषि विभाग अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि शेष खाद किस क्षेत्र में और किन लोगों को सप्लाई की गई मामले की जांच जारी है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने डीईओ कार्यालय का औचक निरीक्षण कर रिकॉर्ड प्रबंधन के निर्देश दिए

रिकॉर्ड प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज बुधवार को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं, रिकॉर्ड संधारण तथा विभिन्न शाखाओं के कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रिकॉर्ड प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कलेक्टर गुप्ता ने कार्यालय में रखे अभिलेखों, पंजीयों तथा अन्य दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदनाम तथा उनके द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्यों की सूची कार्यालय में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने कार्यालय में रखी सभी अलमारियों की दो-दो चाबियां तैयार कराने के निर्देश भी दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर अभिलेखों तक आसानी से पहुंच बनाकर कार्यों का सुचारु संचालन किया जा सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक फाइल पर उसका विषय एवं संबंधित वर्ष अंकित होना अनिवार्य है। उन्होंने सभी फाइलों का अलग-अलग रजिस्टर तैयार करने तथा प्रतिवर्ष के रिकॉर्ड को व्यवस्थित रूप से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। चाहे मामला साइकिल वितरण का हो, पुस्तक वितरण का अथवा अन्य योजनाओं का, प्रत्येक रिकॉर्ड का समुचित संधारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी अभिलेखों की लाइन लिस्टिंग तैयार करने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने पुराने रिकॉर्ड के नियमानुसार विनिष्टीकरण तथा अनुपयोगी एवं क्षतिग्रस्त सामग्री की नीलामी की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थापना कक्ष, अनुदान शाखा एवं मान्यता शाखा का भी अवलोकन किया। साथ ही कार्यालय में पदस्थ भृत्य को निर्धारित यूनिफॉर्म में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। मुख्य लिपिक से आवक-जावक डाक व्यवस्था की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आवश्यक सूचनाएं पारंपरिक डाक के बजाय ई-मेल के माध्यम से प्राप्त की जाएं , जिससे कार्यों में गति और पारदर्शिता बनी रहे। इस दौरान कार्यालय में स्कूल शिक्षा विभाग का सिटीजन चार्टर सुव्यवस्थित रूप से प्रदर्शित पाए जाने पर उन्होंने अधिकारियों की सराहना भी की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर गुप्ता ने डीईओ कार्यालय में संचालित आधार केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां प्रदर्शित रेट लिस्ट की जांच की तथा निर्देश दिए कि जिले के सभी बीआरसी कार्यालयों में आधार केंद्र स्थापित किए जाएं और वहां निर्धारित शुल्क सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने कहा कि इससे आधार संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

रायसेन में बेकाबू आयशर ने बाइक को टक्कर मारी

लोगों ने पीछा किया तो तेज रफ्तार में दौड़ाते हुए अंडे की दुकान में घुसा, दो लोग घायल

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर के सागर तिराहे पर बुधवार रात करीब 12:30 बजे एक तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने बाइक और अंडे की दुकान को कुचल दिया। ट्रक ने पहले सड़क किनारे खड़ी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो लोग घायल हो गए।

दौड़ाते हुए अंडे की दुकान में घुसा: इसके बाद चालक ट्रक लेकर मौके से भागने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक का पीछा कर उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने ट्रक की रफ्तार और बढ़ा दी।

भागते समय सागर रोड स्थित बिजली कंपनी कार्यालय के सामने ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे स्थित एक अंडे की दुकान में जा घुसा। दुकान के पास उस समय कुछ लोग बैठे हुए थे, लेकिन उन्होंने समय रहते वहां से हटकर अपनी जान बचा ली। हालांकि ट्रक की टक्कर से दुकान को काफी नुकसान पहुंचा है।

ट्रक को जब्त कर थाने में रखवाया: घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। गुस्साए लोगों ने ट्रक में सवार दो लोगों को बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक नशे की हालत में था। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर थाने ले गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है ट्रक में सब्जी भरी थी। हादसे में बाइक सवार दो लोग घायल हुए हैं, जबकि अंडे की दुकान क्षतिग्रस्त हो गई। समय रहते लोगों के हट जाने से बड़ा हादसा टल गया।

छतरपुर में भैंस से टकराने से युवती घायल 2 दिन पहले भैंस से टकराने से ही हुई थी नाबालिग की मौत

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम टपरिया में बुधवार को एक सड़क हादसे में 21 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। खेत से स्कूटी पर घर लौट रही युवती की गाड़ी अचानक सड़क पर आई और भैंस से टकरा गई, जिससे वह अनियंत्रित होकर गिर पड़ी। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खेत से लौटते समय हुआ हादसा: जानकारी के अनुसार, ग्राम टपरिया निवासी प्रियंका पटेल (21) पुत्री बिहारी पटेल अपने खेत से काम निपटाकर स्कूटी से घर लौट रही थीं। गांव के रास्ते में अचानक एक जानवर सड़क पर आ गया। भैंस को बचाने के प्रयास में स्कूटी उससे टकरा गई और प्रियंका का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह सड़क पर गिर गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल युवती को संभाला। परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद वे और ग्रामीण प्रियंका को तत्काल जिला अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि युवती की पीठ सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और उपचार जारी है।

आवारा पशुओं को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी: ग्रामीणों का कहना है कि गांव और आसपास की सड़कों पर आवारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उनका आरोप है कि कई बार अचानक सड़क पर जानवर आ जाने से वाहन चालक नियंत्रण खो देते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं। लोगों ने प्रशासन से सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना: गौरतलब है कि जिले में हाल ही में एक अन्य घटना में 15 वर्षीय किशोर की भैंस से टकराने के बाद मौत हो गई थी, जो अपनी बहन की शादी की तैयारियों में जुटा था। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में चिंता बढ़ रही है। घटना की सूचना पुलिस को भी दे दी गई है। वहीं चिकित्सकों ने घायल युवती को आराम करने और आवश्यक जांचें कराने की सलाह दी है।

बहन की डोली से पहले उठी भाई की अर्थी: मध्यप्रदेश के छतरपुर में शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब दुल्हन के 14 वर्षीय छोटे भाई भीम अहिरवार की सड़क हादसे में मौत हो गई। मंगलवार सुबह बहन की विदाई होनी थी, लेकिन उससे पहले ही घर में फेरे रुक गए और डोली की जगह भाई की अर्थी उठने की तैयारी शुरू हो गई।

पन्ना में जमीन विवाद पर बहू-पोते पर हमला :सास-ससुर,

मीडिया ऑडीटर,पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के देवेंद्रनगर थाना क्षेत्र के ग्राम ककरहटी में जमीन विवाद को लेकर एक महिला और उसके नाबालिग बेटे पर ससुराल वालों ने लाठी, कुल्हाड़ी और हंसिए से हमला कर दिया। यह घटना 10 जून की रात को हुई। पड़ोसियों की सूचना पर 'डायल 112' की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को देवेंद्रनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पीड़ित महिला की पहचान 35 वर्षीय आसमा बानो के रूप में हुई है। उन्होंने अस्पताल में बताया कि उनकी शादी लगभग 27 साल पहले ककरहटी निवासी शफीक खान से हुई थी। शादी के बाद से ही उनके पति मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। आसमा बानो अपने पांच बच्चों (तीन बेटियां और दो बेटे) का पालन-पोषण मजदूरी करके करती हैं। उनकी एक बेटी की शादी हो चुकी है।

पिता की जमीन हड़पना चाहते है ससुराल वाले: घायल महिला के अनुसार, यह विवाद जमीन के बंटवारे को लेकर है। चूंकि उनके पति मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं, ससुराल वाले उनके हिस्से की जमीन भी हड़पना चाहते हैं। इसी रंजिश के चलते 10 जून की रात करीब 10 बजे आसमा पर हमला किया गया। हमला करने वालों में ससुर होशियार मोहम्मद, सास फूल बाई, देवर मुस्ताक मोहम्मद, ननद फातिमा बानो, ननदोई अल्लाराखी और पति शफीक शामिल थे। जब आसमा के 15 वर्षीय बेटे रफीक मोहम्मद ने अपनी मां को बचाने का प्रयास किया, तो हमलावरों ने उसे भी लाठियों और धारदार हथियारों से पीटा। पीड़िता ने बताया कि ससुराल वाले उनके पति की मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर उनकी जमीन हड़पना चाहते हैं।

रोवर मशीन से सीमांकन एवं ग्राउंड-ट्रूथिंग कार्यों के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, विदिशा,(निप्र)। जिले में राजस्व कार्यों को अधिक सटीक, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए राजस्व विभाग द्वारा रोवर मशीन के माध्यम से सीमांकन एवं नक्शा योजना की ग्राउंड-ट्रूथिंग के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने किया तथा प्रशिक्षण की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर गुप्ता ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद किया और उन्हें तकनीकी उपकरणों के उपयोग में दक्षता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से राजस्व संबंधी कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, सीमांकन की प्रक्रिया अधिक सटीक होगी तथा भूमि विवादों के त्वरित निराकरण में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और प्राप्त ज्ञान का उपयोग मैदानी स्तर पर प्रभावी ढंग से करने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार , विदिशा जिले के राजस्व निरीक्षकों, पटवारियों तथा नगर पालिका के नगर सर्वेक्षकों के लिए यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में जिले भर से लगभग 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रोवर मशीन के माध्यम से भूमि सीमांकन की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना तथा नक्शा योजना के अंतर्गत ग्राउंड-ट्रूथिंग कार्यों को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं तहसीलदार, भू-संसाधन प्रबंधन सविता पटेल ने बताया कि वर्तमान में जिले को 15 रोवर मशीनें प्राप्त हुई हैं। इन मशीनों का उपयोग मुख्य रूप से नक्शा योजना के अंतर्गत ग्राउंड-ट्रूथिंग कार्यों तथा सीमांकन संबंधी प्रकरणों के त्वरित एवं सटीक निराकरण में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय विशेषज्ञ टीम द्वारा 8, 9 और 10 जून 2026 को डाइट के मीटिंग हॉल में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रोवर मशीन के संचालन, डेटा संग्रहण, भूमि सीमांकन की प्रक्रिया, डिजिटल नक्शों के सत्यापन तथा मैदानी स्तर पर तकनीकी कार्यों के निष्पादन संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में तहसील विदिशा नगर के सभी राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण से राजस्व सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा नागरिकों को अधिक त्वरित और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

ट्रक पलटा, हाईवे पर एक घंटे लगा जाम, क्रेन से हटाया

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। भोपाल-नागपुर हाईवे पर बागदेव पुलिया के आगे बुधवार दोपहर 12 बजे नागपुर से देवास जा रहा ट्रक बीच सड़क पर पलट गया। ट्रक में ट्रैक्टर के पार्ट्स थे। ड्राइवर के कान के पास चोट आई है। उसका इलाज इटारसी अस्पताल में कराया गया। केसला थाना क्षेत्र में बागदेव पुलिया के पास मोड़ पर ढलान होने के कारण ट्रक एक करवट पर पलटा। टू-लेन सड़क पर ट्रैफिक जाम हो गया। कुछ ही देर में दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गईं। करीब एक घंटे तक जाम के हालात रहे। साइड में पुराने हाईवे की कच्ची सड़क से वाहनों को निकाला गया। केसला और पथरोटा पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क के एक तरफ कराया गया। इसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरू हुई। केसला थाना प्रभारी मदन पवार ने बताया ड्राइवर को मामूली चोटें आई है।

40 दिन से फरार आरोपी को RPF ने पकड़ा

नाम बदल कर इंदौर में रह रहा था काम देने के बहाने बुलाकर किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। 40 दिन से गिरफ्तारी वारंट में फरार शातिर अपराधी कुलदीप प्रजापति (25) निवासी सिलावटों का वास रतलाम को आरपीएफ ने इंदौर से पकड़ा है। आरोपी इंदौर में अपनी पहचान व नाम बदल गोरीला रख रेती का काम कर रहा था। आरपीएफ ने तलाश कर रेती डलवाने के बहाने फिल्मी स्टाइल में आरोपी को पकड़ा। आरोपी के खिलाफ आरपीएफ में अलग-अलग मामले दर्ज है। इसके अलावा शहर के माणकचौक पुलिस थाना में भी चोरी का प्रकरण दर्ज है। आरोपी के विरुद्ध रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम की धारा 3 के तहत दर्ज दो प्रकरणों में स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट रतलाम द्वारा 20 अप्रैल 26 को आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया था। आरपीएफ ने रतलाम में उसके निवास सिलावटों के वास पर लगातार प्रयास किया। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में भी तलाश किया। लेकिन वह नहीं मिला।

गुजरात जाकर किया तलाश: आरपीएफ ने आरोपी के गुजरात में होने पर वहां जाकर भी तलाश किया। लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। बाद में उज्जैन में होने की जानकारी मिली। जब उज्जैन जाकर तलाश किया तो पता चला कि आरोपी इंदौर में है। वहां पर ट्रैक्टर में रेत उतार कर बनने वाले मकानों पर चढ़ाने का कार्य कर रहा है।

नंबर तलाशा फिर फोन लगाकर रेत डालने को कहा: आरोपी को पकड़ने के लिए आरपीएफ पोस्ट रतलाम के एएसआई विजेंद्र सिंह तोमर व हेड कांस्टेबल योगेंद्र यदुवंशी को आरोपी का मोबाइल नंबर मिला। आरोपी को मोबाइल पर संपर्क कर रेती ट्रैक्टर से उतार कर मकान के ऊपर चढ़ाने का ऑर्डर दिया। इस बहाने इंदौर के भंवरकुआं चौराहा पर एप्पल अस्पताल के पास बुलाया। जहां आरोपी काम के लालच में आने पर पहुंचा। तब उसे शक हुआ तो उसने भागने की कोशिश की। इसी दौरान आरपीएफ एएसआई तोमर व हेड कॉन्स्टेबल यदुवंशी ने उसे पकड़ लिया। एएसआई विजेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि वारंटी आरोपी अपराधी प्रवृत्ति का है जिस पर RPF रतलाम पोस्ट पर कई अपराध दर्ज है। इसके अलावा सिटी के माणकचौक थाना में भी चोरी का केस दर्ज है। आरोपी को गिरफ्तार कर 10 जून को स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया।

सोते समय गले में फंसे नकली दांत, ऑक्सीजन लेवल गिरा

सागर में एसोफैगोस्कोपी तकनीक से निकालकर बचाई जान श्वास नली ब्लॉक हो रही थी

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर स्थित बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में डॉक्टरों की टीम ने एक 56 वर्षीय मरीज के गले में फंसे तीन कृत्रिम (नकली) दांत सफलतापूर्वक बाहर निकाले हैं। दमोह निवासी रामदास रात को सोते समय अपने नकली दांत निकालना भूल गए थे, जो नींद में गले में जाकर फंस गए। इस वजह से उनका ऑक्सीजन लेवल तेजी से गिरने लगा था। डॉक्टरों ने एसोफैगोस्कोपी तकनीक का इस्तेमाल कर समय रहते दांत निकाल लिए, जिससे मरीज की जान बच गई।

दमोह निवासी रामदास आगे के हिस्से में तीन कृत्रिम दांत लगाते हैं। आधी रात को अचानक जब उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई और गले में कुछ फंसा हुआ महसूस हुआ, तो स्थिति बिगड़ती देख परिजन उन्हें तुरंत सागर बीएमसी के ईएनटी (ENT) विभाग लेकर पहुंचे। बीएमसी के मीडिया प्रभारी डॉ. सौरभ जैन ने बुधवार को बताया कि ये नकली दांत प्लास्टिक सामग्री के बने हुए थे।

आहार और श्वास नली के मुहाने पर फंसे थे दांत, गिर रहा था ऑक्सीजन

मरीज की स्थिति का आकलन करने के बाद ईएनटी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीतू बजाज ने एसोफैगोस्कोपी तकनीक की मदद ली। उन्होंने गले में फंसे तीनों दांतों के जुड़े हुए सेट को उसकी क्लिप (शीथ) सहित सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस जटिल प्रक्रिया में एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. सर्वेश जैन और डॉ. दीपक गुप्ता ने मरीज को जनरल एनेस्थीसिया दिया। डॉ. सर्वेश जैन ने बताया कि यह बाहरी तत्व आहार नली और श्वास नली के ठीक मुहाने पर फंसा हुआ था। इसके कारण मरीज का ऑक्सीजन सैचुरेशन बार-बार तेजी से गिर रहा था। यदि समय रहते दांत नहीं निकाले जाते, तो श्वास नली पूरी तरह अवरुद्ध होने से मरीज की जान भी जा सकती थी।

सोने से पहले अनिवार्य रूप से निकालें नकली दांत

सफल इलाज के बाद डॉ. नीतू बजाज ने सलाह देते हुए कहा कि जो लोग भी डेंटल इम्प्लांट, नकली दांत या किसी भी प्रकार की अस्थायी डेंटल डिवाइस का उपयोग करते हैं, वे रात में सोने से पहले उसे अनिवार्य रूप से निकाल दें। इसमें बरती गई थोड़ी सी भी लापरवाही प्राणघातक साबित हो सकती है। बीएमसी के डीन डॉ. पीएस ठाकुर ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह मामला हमारे डॉक्टरों की तत्परता और उच्च स्तरीय विशेषज्ञता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध हैं।

आकांक्षी जिला एवं विकासखंडों की प्रगति की कलेक्टर ने की समीक्षा

ऑनलाइन पोर्टल पर समयबद्ध डेटा अपलोड करने के निर्देश, शिक्षा-स्वास्थ्य सहित विभिन्न संकेतकों पर फोकस

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बुधवार को आकांजिला एवं आकांविकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानकों और संकेतकों के अनुरूप जिले में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी प्रगति एवं उपलब्धियों से संबंधित जानकारी समय पर ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करें तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने एडीपी (Aspirational District Programme) एवं एबीपी (Aspirational Block Programme) संकेतकों की स्थिति का गहन परीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित चल रही परियोजनाओं, उनकी वर्तमान प्रगति तथा डेल्टा रैंकिंग के आधार पर स्वीकृत परियोजना प्रस्तावों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही पुरस्कारों के लिए भेजे जाने वाले प्रस्तावों एवं कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाले विभिन्न घटकों पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि नीति आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभागीय समन्वय के साथ प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिले की रैंकिंग में सतत सुधार हो सके। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने यह भी निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित योजनाओं की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करें और उपलब्धियों को पोर्टल पर अद्यतन रखें। उन्होंने कहा कि सटीक एवं समय पर डेटा अपलोड होने से जिले की वास्तविक प्रगति परिलक्षित होती है और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। कलेक्टर चेम्बर में आयोजित इस समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ओ.पी. सनोडिया सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं विकासखंड स्तर के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद स्थापित कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को योग दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, 21 जून को आयोजित गतिविधियों की एकत्रित प्रतिवेदन रिपोर्ट 24 जून 2026 तक उच्च शिक्षा विभाग को भेजने के लिए कहा गया है।

टी20 विश्वकप से 60 गुना अधिक है फीफा विश्वकप की इनामी राशि

सेन डियागो एजेसीं। अमेरिकि, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से हो रहे टी20 विश्कवकप में पिछले बार से भी अधिक इनामी राशि मिलेगी। वहीं अगर टी20 क्रिकेट विश्वकप से तुलना की जाये तो फीफा विश्व की इनामी राशि 60 गुना अधिक है। इस प्रकार देखा जाये तो क्रिकेट और फुटबॉल जैसे दो सबसे लोकप्रिय खेलों के विश्वक कप की इनामी राशि में भारी अंतर है। जिससे सभी हैरान हैं। फीफा विश्व कप 2026 में इस बार कुल 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट से पहले ही फीफा ने इस साल की इनामी राशि घोषित कर दी है। जिसमें पिछली बार के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हुई है। पिछली बार 2022 में फीफा वर्ल्ड प अर्जेंटीना ने खिताब जीता था, और उस समय कुल इनामी राशि 440 मिलियन डॉलर थी। वहीं साल 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 655 मिलियन डॉलर (लगभग 6241 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। अब अगर इस विशाल राशि की तुलना हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 से करें, तो यह अंतर और भी हैरान करने वाला हो जाता है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने भारत में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 जीतकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। ऐसे में उसे कुल प्राइज मनी 11.25 मिलियन डॉलर में से विजेता के तौर पर 2.63 मिलियन डॉलर (लगभग 24.28 करोड़ रुपये) मिले थे। वहीं फीफा विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी टी20 वर्ल्ड कप की तुलना में 60 गुना अधिक है। इतना ही नहीं, फीफा विश्व कप में 33वें से 48वें स्थान पर रहने वाली टीमों को भी 9-9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) का इनाम मिलेगा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम इंडिया को मिली राशि से तीन गुना से भी ज्यादा है। और अगर हम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन की इनामी राशि देखें, तो विजेता टीम को 50 मिलियन डॉलर (लगभग 476 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

उजचैस कप - अर्जुन नें विदित से बांटा अंक, सयुंक्त बढ़त बरकरार

ताशकंत , उज़्बेकिस्तान एजेसीं। उजचैस कप 2026 सुपरग्रांडमास्टर टूर्नामेंट के चौंथे राउंड में भारत के अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती नें आपस में मुकाबला खेला सफेद मोहरो से खेल रहे अर्जुन नें बेहद तेज खेलते हुए विदित पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की पर विदित नें घड़ी में कम समय होते हुए भी अच्छा बचाव किया,इटेलियन ओपनिंग में खेला गया मुकाबला जब ड्रा पर समाप्त हुआ तब अर्जुन के पास करीब 40 मिनट तो विदित के पास 7 मिनट बाक़ी थे खेल 46 चालों में बेनतीजा रहा हालांकि इस ड्रा के बावजूद अर्जुन अभी भी 2.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर बने हुए है , आज एक और मुकाबला सबसे रोचक था वह था रूस के यान नेपोमनिशी और मेजबान देश के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव के बीच जहाँ एक समय पूरी तरह जीती हुई बाजी घोड़े के एंडगेम में नेपोमनिशी के हाथ से निकल गई और बेनतीजा रही , अजरबैजान के शखीरयार मामेद्यारोव नें यूएसए के नीमन हंस मोके से ड्रा खेला हालांकि दो परिणाम भी इस राउंड में आए , उज़्बेक्सिस्तान के याकुबबोएव नोदिरबेक नें हमवतन मदमिनोव मुखिद्दीन को और वोखीदोव शमसिद्दीन नें ग्रीस के निकोलस थेडोरो को पराजित कर अपनी पहली जीत दर्ज की।

कपिल देव नहीं, विश्व कप 1983 के लिए भारत की कप्तानी की दौड़ में थे मैं और वेंगसरकर : पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज

नई दिल्ली एजेसीं। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी ने बताया कि 1983 विश्व कप से पहले वह और दिलीप वेंगसरकर भारत की कप्तानी की दौड़ में शामिल थे लेकिन उस समय की चयन समिति ने इंग्लैंड में हुए टूर्नामेंट के तीसरे सत्र में देश की कमान संभालने के लिए दिग्गज कपिल देव को चुना। उस समय टीम को चुनने वाली समिति के प्रमुख पूर्व भारतीय बल्लेबाज गुलाम अहमद थे जबकि बिशन सिंह बेदी, पंकज रॉय, चंदू बोर्डे और चंदू सरवटे उनके साथी सदस्य थे।

किरमानी ने कहा, विश्व कप से पहले 1983 के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान एक सवाल उठा था। उस समय कपिल देव को कप्तान बनाने से पहले एक चर्चा हुई थी। मुझे और वेंगसरकर को लेकर चर्चा हुई थी। पूर्व भारतीय विकेटकीपर ने कहा, यह अंदर की बात थी जो मैंने सुनी थी। क्या वेंगसरकर को कप्तान बनाया जाए या सैयद किरमानी को? तो इस खींचतान में शायद उन्होंने कहा कि विकेटकीपर पर

क्यों बोझ डाला जाए?

कपिल को चुनना गलत साबित नहीं हुआ क्योंकि उनकी कप्तानी में भारत ने अपना पहला 50 ओवर का विश्व कप खिताब जीता। कपिल डेविल्स ने 43 साल पहले 25 जून 1983 को लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज की मजबूत टीम को 43 रन से हराकर विश्व कप (जिसे तब प्रूडेंशियल कप कहा जाता था) जीता था। अब उस ऐतिहासिक जीत का जश्न 25 जून को मुंबई में टीम के सदस्य मनाएंगे लेकिन किरमानी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई से आग्रह किया कि वह इन दिग्गजों को उचित सम्मान दे।

1983 विश्व कप के खिलाड़ियों को पहचान देनी चाहिए : किरमानी ने कहा, बीसीसीआई को आगे आकर 1983 विश्व कप के खिलाड़ियों को पहचान देनी चाहिए और हर साल 25 जून को जश्न मनाना चाहिए क्योंकि उन्होंने बोर्ड और उन क्रिकेटरों के लिए एक मजबूत नींव रखी थी जो अब 1983 विश्व कप के बाद मिले फायदों का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, इसे याद किया जाना चाहिए। हर किसी को 1983 याद है और हमेशा याद रहेगा। यह किसी की जिंदगी में पहले प्यार जैसा है। पहला प्यार कभी भुलाया नहीं जा सकता। किरमानी ने कहा, इसलिए हम 25 जून का जश्न मना रहे हैं। हम सब इकट्ठा हो रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि बीसीसीआई को 25 जून को उस जीत का जश्न मनाने के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए जो हमने 1983 में हासिल की थी। यह एक शानदार जश्न होगा।

2007 टी20 वर्ल्ड कप जीत का जिक्र : इस 76 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2007 में भारत के टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बीसीसीआई द्वारा भव्य जश्न का जिक्र किया। किरमानी ने कहा, जब 28 साल बाद धोनी की टीम जीती तो बीसीसीआई ने जो जश्न मनाया उसमें 1983 विश्व कप के किसी भी खिलाड़ी को नहीं बुलाया गया। यह कोई शिकायत नहीं है लेकिन यह सबकी भावना है कि हमें भुला दिया गया। हमने आज के दौर के क्रिकेटरों के लिए नींव रखी थी। हमने जीत हासिल की और टेलीविजन को लोकप्रिय बनाया। उन्होंने कहा, हम पैसा लेकर आए। अब इस 25 जून को कोई प्रायोजक नहीं है। हमारे में से हर कोई अपने-अपने तरीके से एक-दूसरे से मिलने और मुंबई में जश्न मनाने जा रहा है।

किरमानी ने आधुनिक क्रिकेट में विकेटकीपर के बदलते रुतबे को समझाने के लिए धोनी का उदाहरण दिया। स्टंप के पीछे सिर्फ गेंद पकड़ने वाले से लेकर एक अहम ऑलराउंड क्रिकेटर बनने तक का सफर। उन्होंने कहा, विकेटकीपर को ऑलराउंडर माना जाना चाहिए। मेरे समय में मुझे कभी ऑलराउंडर नहीं माना गया।

स्टोक्स के बचाव में उतरे न्यूज़ीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्क रिचर्डसन

उसे संन्यास पर मजबूर न करे

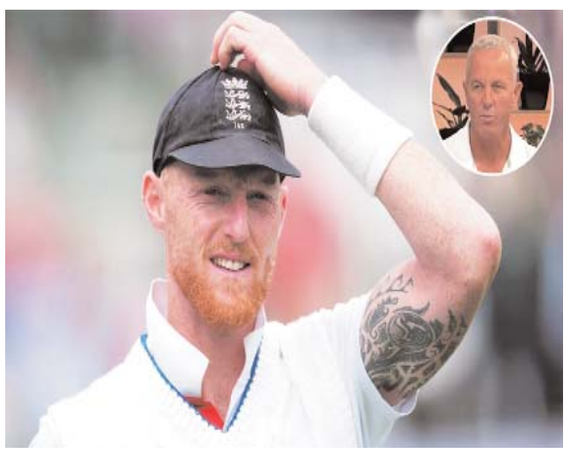

ऑकलैंड एजेसीं। नाइटक्लब कांड के बाद विवादों में फंसे इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के बचाव में न्यूजीलैंड के पूर्व टेस्ट ओपनर मार्क रिचर्डसन उतरे हैं। एक ओर जहां इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) नाइटक्लब कांड की जांच कर रहा है और ये भी कहा जा रहा कि इस मामले में उनकी कप्तानी तक जा सकती हैं। यहां कि उन्हें टीम से भी बाहर किया जा सकता है। वहीं ऐसी भी बातें कहीं जा रही हैं कि स्टोक्स इस मामले में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास भी ले सकते है। इसी को लेकर रिचर्डसन नाराज है उनका कहना है कि मैदान के बाहर की गतिविधियों के लिए स्टोक्स को समय से पहले संन्यास लेने पर मजबूर नहीं किय जाना चाहिये। साथ ही कहा कि अगर ऐसा होता है तो ये खेल के लिए नुकसानदेह होगा।

रिचर्डसन की ये टिप्पणी स्टोक्स की शारीरिक सेहत, टेस्ट कप्तान के रूप में उनके अत्यधिक कार्यभार और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके प्रभाव को दिखाती है। रिचर्डसन ने कहा कि स्टोक्स का जाना निराशाजनक होगा क्योंकि कोई नहीं जानता कि वास्तव में क्या हुआ है। साथ ही कहा कि कि जब आप इंग्लैंड के कप्तान होते हैं, जब आप पिछले 12 महीनों में उस टीम के साथ जो हुआ है, उसके बाद तनाव में होते हैं, तो एक जीत के बाद वह तरोताता होने नाइट क्लब गये थे हालांकि उन्हें बाहर शराब नहीं पीनी चाहिये थी। या इसे अकेले में पीते।रिचर्डसन ने स्टोक्स के व्यक्तित्व पर भी टिप्पणी की और कहा, मैं उसे जानता हूं। अगर ईसीबी कहे कि हम तुम्हें बैठाने वाले हैं, तो वो ऐसा व्यक्ति है जो कहेगा, 'अरे, मैं तब रिटायर हो जाऊंगा'।÷ बेन स्टोक्स का क्रिकेट करियर इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जहां उनके भविष्य का फैसला नाइटक्लब घटना और उसके बाद होने वाली जांच पर निर्भर करेगा पर उनके जैसे मैच विजेता खिलाड़ी का मैदान से दूर होना खेल और प्रशंसकों के लिए नुकसानदेह होगा। वे एक बेहतर क्रिकेटर को खेलते नहीं देख पायेंगे।

लिविंगस्टोन अब लंदन स्पिरिट की कप्तानी करते दिखेंगे

लंदन एजेसीं। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन अब द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में लंदन स्पिरिट की कप्तानी करते दिखेंगे। आईपीएल 2025 की विजेता टीम के सदस्य रहे लिविंगस्टोन का लक्ष्य ऐसे में लॉर्ड्स में अपनी टीम को जीत दिलाना रहेगा। लिविंगस्टोन अभी अच्छे फॉर्म में हैं और इसी कारण से उन्हें टीम की कमान सौंपी गयी है। इसकी घोषणा लंदन स्पिरिट ने एक विशेष वीडियो के जरिये की है। लिविंगस्टोन ने कहा, मैं इस गर्मी में लंदन स्पिरिट की कप्तानी करने को लेकर बेहद से उत्साहित हूं। लॉर्ड्स सिर्फ एक मैदान नहीं, बल्कि क्रिकेट का एक पवित्र स्थल है जहां यहां आने वाले दर्शक हर मैच को यादगार बना देते हैं। हमारी टीम में असाधारण प्रतिभा है, और मेरा लक्ष्य इस सीजन में इतिहास रचना है। इससे साफ है कि झलकता है कि वह इस चुनौती के लिए पूरी

तरह तैयार हैं और टीम को प्रेरित करने के लिए उत्सुक हैं। लंदन स्पिरिट के इतिहास में लिविंगस्टोन चौथे ऐसे खिलाड़ी होंगे जिन्हें यह महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी गई है। उनसे पहले इयोन मॉर्गन, डेनियल लॉरेंस और केन विलियमसन जैसे दिग्गज इस टीम की कप्तानी संभाल चुके हैं। मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने भी लिविंगस्टोन पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। फ्लावर ने कहा, लियाम मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह एक शानदार व्यक्तित्व के धनी हैं। मैं उन्हें इंग्लैंड लायंस के दिनों से जानता हूं और उन्हें लंदन स्पिरिट से जोड़ना हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक था। उनकी सफलता की भूख और लगातार खुद को बेहतर बनाने की चाहत हमारी टीम की संस्कृति के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। मुझे पूरा यकीन है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करेंगे और टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।लिविंगस्टोन का मौजूदा फॉर्म उनकी नियुक्ति को और भी उचित ठहराता है। वह इस समय टी20 ब्लास्ट में असाधारण लय में हैं। हाल ही में उन्होंने लगातार दो मैचों में 80 से अधिक रन बनाए हैं।

लिस्ट ए में शीर्ष पर पहुंचने ऋतुराज को करना होगा लंबा इंतजार

नई दिल्ली एजेसीं। इंडिया ए टीम में शामिल युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को लिस्ट ए में शीर्ष पर पहुंचने के लिए अभी लंबा इंतजार करना पड़ेगा और करीब 30 शतक लगाने होंगे । ऋतुराज के नाम अभी लिस्ट ए में 21 शतक हैं। इससे वह अभी लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर हैं। अभी वह पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर और राहुल द्रविड़ की बराबरी की है, जिन्होंने अपने करियर में 21-21 लिस्ट ए शतक लगाये हैं। गौरतलब है कि लिस्ट एक में सभी वनडे इंटरनेशनल मैच के साथ-साथ देश में आयोजित होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी और देवधर ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंट के मैच भी शामिल होते हैं। गायकवाड़ ने अपने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक केवल एक शतक लगाया है। इस सूची में टॉप-5 में जगह बनाने के लिए गायकवाड़ को अभी काफी शतक और लगाने हैं। पांचवें नंबर पर कायम पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन उनसे काफी आगे हैं, जिन्होंने लिस्ट ए में कुल 30 शतक लगाये हैं। गायकवाड़ और धवन के बीच 9 शतकों का बड़ा अंतर है। भारतीय क्रिकेट और ओवरऑल लिस्ट ए में सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड महान

बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है, जिन्होंने अपने करियर में कुल 60 लिस्ट ए शतक लगाए हैं। उनके बाद विराट कोहली के नाम 59 शतक हैं। वहीं तीसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं, जिनके नाम 37 शतक हैं, जबकि सौरव गांगुली 31 शतकों के साथ चौथे पायदान पर मौजूद हैं।

ओलंपिक में विराट और वैभव को पारी की शुरुआत के लिए शामिल करे बीसीसीआई : श्रीसंत

मुम्बइ एजेसीं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस. श्रीसंत भी उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से बेहद प्रभावित हैं। इसी को देखते हुए श्रीसंत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत के लिए अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी को रखे। गौरतलब है कि साल 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों से क्रिकेट की वापसी हो रही है। जिससे लेकर क्रिकेट जगत में बेहद उत्साह है। इसमें टी20 प्रारुप में मुकाबले रखे गये हैं। इसमें भारत सहित कुल छह शीर्ष टीमों को भाग लेने का अवसर मिलेगा। श्रीसंत के अनुसार ओलंपिक खेलों के लिए विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में रखा जाना चाहिए, और उनके साथ ही 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी मौका मिलना चाहिए। श्रीसंत के इस सुझाव के पीछे एक अनुभवी और एक युवा बल्लेबाज के मिश्रण से शीर्ष क्रम को मजबूती देने का विचार है। हालांकि, यह अनुरोध पूरा करना बीसीसीआई के लिए संभव नजर नहीं आता क्योंकि विराट ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हैं और वैभव को भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करना है। श्रीसंत ने एक वीडियो में कहा, विराट ने जो काम किया है, वह अविश्वसनीय है। यदि हम ओलंपिक स्वर्ण की बात कर रहे हैं, तो मैं अनुरोध करता हूं कि विराट टीम में खेलें। यह सीनियर और जूनियर का एक बेहतरीन मिश्रण होगा।

मानव सुथार अब वारविकशर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप में खेलेंगे

नई दिल्ली एजेसीं। युवा लेग स्पिनर मानव सुथार अब इंग्लैंड की काउंटी चैम्पियनशिप में वारविकशर टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। वारविकशर क्लब ने सुथार को अगले दो काउंटी चैम्पियनशिप मैचों के लिए शामिल किया है। 23 साल के सुधार अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद सभी की नजरों में आये हैं। उन्होंने पहली पारी में सिर्फ 33 रन देकर छह विकेट जबकि दूसरी पारी में भी 29 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण ही अब उन्हें काउंटी क्रिकेट में अवसर मिला है। सुथार ने इससे पहले घरेलू क्रिकेट में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। उनके नाम 29 प्रथम श्रेणी मैचों में 129 विकेट दर्ज हैं, जो उनकी निरंतरता और कौशल का प्रमाण है। यह अनुभव उन्हें काउंटी क्रिकेट के चुनौतीपूर्ण हालातों और अनुभवी बल्लेबाजों के खिलाफ गेंदबाजी करने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

वारविकशर के साथ उनका यह अल्पकालिक अनुबंध उन्हें काउंटी चैम्पियनशिप के अगले दो मैचों के लिए चयन के लिए उपलब्ध कराएगा। उनका पहला मैच 12 से 15 जून तक यॉर्कशर के खिलाफ स्कारबोरो में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद वह अगले सप्ताह टॉनटन में समरसेट के खिलाफ भी खेलते दिखेंगे। यह भारतीय स्पिनर के लिए इंग्लैंड के माहौल में ढलने और अपनी स्किल्स को परखने का एक शानदार अवसर होगा।वारविकशर के प्रदर्शन निदेशक जेम्स थॉमस ने सुथार को शामिल करने पर खुशी जताते हुए कहा, हमें मानव का में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह टीम के लिए वास्तव में रोमांचक समय है। हमने इस सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और हमें विश्वास है कि मानव अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी से हमारे आक्रमण में एक नया आयाम लाएंगे, जो हमें आगामी मैचों में बढ़त दिला सकता है।वहीं इस नए अवसर से सुथार भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं काउंटी चैम्पियनशिप के अगले दो मैचों के लिए वारविकशर में शामिल होकर बेहद उत्साहित हूं।

अफगानिस्तान के खिलाफ पहले एकदिवसीय में उतरते ही रोहित बनायेंगे रिकार्ड

मुम्बई एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा शनिवार को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले एकदिवसीय में उतरते ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लेंगे। इसी के साथ ही रोहित सबसे अधिक उम्र में एकदिवसीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। रोहित ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और अब उनका इस मैच में खेलना तय है। रोहित मैदान में उतरते ही दिग्गज बल्लेबाज रहे मोहिंदर अमरनाथ का सबसे अधिक उम्र में एकदिवसीय खेलने का रिकार्ड तोड़ देंगे। रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरते ही 39 साल और 44 दिन की उम्र में खेलने वाले क्रिकेटर बन जाएंगे। इससे पहले, यह रिकॉर्ड 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे मोहिंदर अमरनाथ के नाम दर्ज था। अमरनाथ ने भारत के लिए अपना आखिरी एकदिवसीय 1989 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में खेला था। इस सीरीज में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोट के चलते नहीं खेलेंगे। रोहित की नजरें इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अब अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में अपनी जगह पक्की करने पर लगी रहेंगी।

स्टोक्स को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी के साथ ही टीम से बाहर करने पर भड़के वॉन

लंदन एजेसीं। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नाइटक्लब विवाद को लेकर बेन स्टोक्स को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कप्तानी से हटाने के साथ ही टीम से बाहर करने पर नाराजगी जताई है। इंग्लैंड और मेहमान टीम न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट केनिंग्टन ओवल, लंदन में 17 जून से खेला जाएगा पर इस मैच से पहले इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने स्टोक और गस एटकिंसन को टीम से बाहर कर दिया है। ईसीबी ने जो रूट को दूसरे टेस्ट के लिए कप्तान बनाया है। इस फैसले पर भड़े वॉन का मानना है कि स्टोक्स ने जरूर गलती की है, मगर उन्हें कप्तानी से नहीं हटाना चाहिए थे। बता दें, बेन स्टोक्स की अगुवाई में ही इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में हुए पहले टेस्ट में जीत दर्ज कर तीन मैच की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई थी। वॉन ने कहा कि स्टोक्स ने नीयम तोड़कर गलती की थी पर उन्होंने सवाल किया

कि क्या यह गलती इतनी गंभीर थी कि उन्हें कप्तानी के पद से हटाया जाए।

वॉन ने लिखा, स्टोक्स ने नियम तोड़ा। हां, उन्होंने गलती की। लेकिन क्या यह इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर हटाने लायक गलती है? मुझे ऐसा नहीं लगता। वॉन ने कहा कि ईसीसी को कार्रवाई का पूरा अधिकार है पर वह स्टोक्स को लीडरशिप रोल से हटाने के किसी भी कदम से सहमत नहीं हैं। उन्होंने लिखा, ईसीब को इतना साहसी और मजबूत होना होगा कि वह वही करे जो उसे सही लगता है। अगर इसका मतलब उसे निकालना है तो ठीक है, लेकिन मैं इस मुद्दे पर उस फैसले से सहमत नहीं हूं।

वॉन ने स्टोक्स का बचाव ऐसे समय में किया है जब टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के बाद इंग्लैंड के कप्तान का भविष्य चर्चा का विषय बन गया है। यह मानते हुए कि वॉन ने तर्क दिया कि सजा गलती के हिसाब से होनी चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की हाल की सफलता में स्टोक्स की भूमिका को देखते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि फैसले में गलती होने पर कप्तानी अपने आप नहीं चली जानी चाहिए।

उत्तरप्रदेश एवं मध्यप्रदेश के अधिकारियों ने बाढ़ नियंत्रण के लिए किया विचार मंथन

वर्षा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ तत्काल उपलब्ध कराएं : कमिश्नर रीवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने मिर्जापुर के अष्टभुजा अतिथि गृह में आयोजित बैठक में विचार मंथन किया बैठक में कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने कहा कि मध्यप्रदेश की टमस तथा उत्तरप्रदेश की बेलन नदियों के जल क्षेत्र में लगातार भारी वर्षा होने पर त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो जाता है। बाढ़ से बचाव और स्थिति पर नियंत्रण के लिए दोनों राज्यों के अधिकारी वर्षा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ तत्काल एक-दूसरे को उपलब्ध कराएं। बाढ़ नियंत्रण से संबंधित कंट्रोल रूम तत्काल शुरू कर दें बाढ़ नियंत्रण से जुड़े प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर फोन नम्बर अपडेट कर लें। लगातार वर्षा की स्थिति में बांधों के जल स्तर तथा

वर्षा की मात्रा के संबंध में हर घंटे जानकारी साझा करें। लगातार सम्पर्क और समन्वय से किसी भी आपात स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास करें जल प्रबंधन की कमी के कारण किसी भी क्षेत्र में बाढ़ का प्रकोप नहीं होना चाहिए। बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाईयों को समन्वय से दूर करें। बाढ़ की स्थिति में व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज देने के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी एक दूसरे से टेलीफोन से भी संपर्क में रहें। बाढ़ से होने वाली जन-धन की हानि को न्यूनतम रखने का प्रयास करें बैठक में कमिश्नर विन्ध्यांचल राजेश प्रताप ने कहा कि सिंचाई के लिए बांधों में पानी के संग्रहण के साथ-साथ आमजनता को बाढ़ से सुरक्षित रहने पर भी पूरा ध्यान दिया जाएगा मेजा सिरसी तथा अदवा बांधों में जल भराव में जल संसाधन विभाग के निर्धारित प्रोटोकाल का पूरी तरह से पालन किया जाएगा रीवा आईजी द्वारा बांधों को 25 प्रतिशत खाली रखने के सुझाव को गंभीरता से लागू करें बाढ़ से जन-धन की हानि को रोकना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। दोनों राज्यों के अधिकारी टमस नदी के जल प्रवाह और बेलन नदी के जल प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए समन्वय से प्रयास करेंगे। हम त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ न आए इसके लिए पूरी सावधानी बरतेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ मैदानी अमला भी एक-दूसरे के साथ सतत संपर्क में रहेगा। उन्होंने बैठक में शामिल होने के लिए मध्यप्रदेश वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल प्रभारी कलेक्टर रीवा अक्षत जैन ने कहा कि हमने बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली है अधिक वर्षा के समय उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के अधिकारियों के बीच कम्युनिकेशन महत्वपूर्ण होगा। सूचनाओं का तत्परता से आदान-प्रदान हो तकनीकी अधिकारी टमस में 80 हजार क्यूसेक पानी की अधिकतम सीमा के संबंध में भी पुनः आकलन करके रिपोर्ट दें। अदवा, सिरसी और मेजा बांधों को निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार ही भरा जाए इनका मैक्सिमम लेबल सितम्बर माह में ही पहुंचे पुलिस अधीक्षक रीवा गुरकरन सिंह ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी सभी तैयारियों का मौके पर जाकर लिया जाएगा पुलिस अधिकारी भी लगातार संपर्क में रहेंगे बैठक में चीफ इंजीनियर जल संसाधन विन्ध्यांचल संभाग ने बैठक में कहा कि गत वर्षों के अनुभव तथा वर्षा की स्थिति के अनुसार बाढ़ नियंत्रण की कार्ययोजना तैयार की गई है इससे जुड़े अधिकारियों के फोन नम्बर का व्हाट्सएप ग्रुप बना लिया गया है अदवा सिरसी और मेजा बांधों को भरने के प्रोटोकाल का यदि पालन करेंगे तो बाढ़ की स्थिति नहीं आएगी बांधों को अधिकतम स्तर में भरने के लिए वर्षा के अंतिम चरण तक प्रतीक्षा करनी चाहिए।

जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आज से लगेंगे जनकल्याण शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शासन के निर्देशों के अनुरूप 12 जून से 18 जून तक जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं शहरी क्षेत्र के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्र के लिए संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को शिविर का नोडल अधिकारी बनाया गया है इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन ने कहा है कि प्रत्येक विकासखण्ड मुख्यालय तथा नगरीय निकाय में जनकल्याण शिविर का आयोजन करें। शिविर में शासन की विभिन्न योजनाओं के छूटे हुए पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाकर उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करें। शिविरों के माध्यम से शासन की प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करें। शिविर में आमजनता से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों को संबंधित विभागों के माध्यम से सात दिन की समय सीमा में निराकृत करने की व्यवस्था कराएं इन शिविरों में जिला और खण्ड स्तर के सभी अधिकारी शामिल होंगे शिविरों में प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, वय वंदना योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तथा अन्य योजनाओं के पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाएं प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि विकासखण्ड रायपुर कर्चुलियान, विकासखण्ड रीवा तथा विकासखण्ड गंगेव के जनपद पंचायत कार्यालयों में 12 से 16 जून तक शिविर लगेंगे। विकासखण्ड जवा में जनपद पंचायत कार्यालय में 15 से 16 जून तथा विकासखण्ड त्योंथर में जनपद पंचायत कार्यालय में 15 से 18 जून तक जनकल्याण शिविर लगेंगे। विकासखण्ड सिरमौर में 12 से 15 जून तक जनपद पंचायत कार्यालय में शिविर लगेगा। शहरी क्षेत्र में नगर परिषद मनगवां में 15 से 17 जून, नगर परिषद गुढ़ तथा नगर परिषद गोविंदगढ़ में 12 से 18 जून तक नगरीय निकाय के कार्यालयों में शिविर लगेंगे। नगर निगम रीवा में 12 से 16 जून तक शिविर जनपद पंचायत कार्यालय रीवा में लगाया जाएगा। नगर परिषद डभौरा में 18 जून को, नगर परिषद चाकघाट तथा नगर परिषद त्योंथर में 15 से 18 जून तक शिविर लगेंगे। नगर परिषद सेमरिया, नगर परिषद सिरमौर तथा नगर परिषद बैकुण्ठपुर में 12 से 15 जून तक नगर परिषद कार्यालयों में शिविर लगेंगे। आमजनता से इन शिविरों से लाभ उठाने की अपील की गई है।

पट्टे की जमीन बचाने फौजी की पत्नी ने कलेक्टर से लगाई गुहार, सीमांकन पर उठाए सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की हुजूर तहसील अंतर्गत ग्राम दुबहा में भूमि सीमांकन को लेकर विवाद सामने आया है सीमा पर तैनात एक सैनिक की पत्नी ने अपनी पट्टे की जमीन पर अतिक्रमण और गलत सीमांकन का आरोप लगाते हुए कलेक्टर रीवा से न्याय की गुहार लगाई है ग्राम बहुरीबांध टोला दुबहा निवासी बबिता सेन, पति दयानंद सेन ने शिकायत में कहा है कि उनके मकान की दक्षिण दिशा में स्थित लगभग तीन फीट भूमि को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। उनका आरोप है कि पड़ोसी पक्ष द्वारा राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में हाल ही में सीमांकन कर उक्त भूमि को सड़क निर्माण के लिए चिन्हित किया गया है, जबकि उनके पास पूर्व

सीमांकन से संबंधित दस्तावेज और अभिलेख उपलब्ध हैं बबिता सेन का कहना है कि सीमांकन प्रक्रिया के दौरान उनकी आपत्तियों को गंभीरता से नहीं सुना गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले पड़ोसी पक्ष ने रास्ते के लिए तीन फीट भूमि छोड़ने का आग्रह किया था और बदले में पीछे की ओर जमीन देने की बात कही थी, लेकिन अब स्थिति बदलते हुए उक्त भूमि पर दावा किया जा रहा है पीड़िता ने बताया कि उनके पति दयानंद सेन वर्तमान में श्रीनगर क्षेत्र में सेना में तैनात हैं। उनकी अनुपस्थिति में घर पर वृद्ध मां, पत्नी और दो छोटे बच्चे रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार को लगातार मानसिक दबाव, नोटिस और विवादों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में पूर्व में चोरहटा थाने में भी आवेदन देकर सुरक्षा और जमीन पर कथित कब्जे की कोशिश की शिकायत की जा चुकी है मामले को लेकर बबिता सेन ने जिला कलेक्टर से निष्पक्ष जांच कराकर सीमांकन की पुनः समीक्षा तथा परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है फिलहाल राजस्व विभाग अथवा संबंधित पक्ष की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

विश्व योग दिवस से जुड़े कार्यक्रम लगातार हो रहे हैं आयोजित तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए योगाभ्यास है अचूक उपाय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के सभी जिलों में 21 जून को विश्व योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए संभाग के सभी जिलों में योग दिवस से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. शिवराम साकेत ने बताया कि 11 जून को संभाग के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रातः काल सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें 1152 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से भागीदारी निभाई। इनमें रीवा जिले में 460, सतना जिले में 438, सीधी जिले में 191 तथा सिंगरौली जिले में 63 व्यक्ति योगाभ्यास में शामिल हुए। योग

मित्रों द्वारा भी लोगों को योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सभी आयुष अस्पतालों, आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा स्कूलों में सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विश्व योग दिवस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाने के लिए आयुष मंत्रालय भारत सरकार की वेबसाइट योगा डॉट आयुष डॉट जीओभी डॉट इन/योगा डॉट संगम में सभी शासकीय और निजी संस्थाएं पंजीयन करा सकती हैं। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए टोलफ्री नम्बर 18003157008 पर मिसकॉल देकर भी आयुष विभाग की लिंक प्राप्त की जा सकती है। तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए नियमित योगाभ्यास सबसे अचूक उपाय है। इससे हम कई रोगों से अपना बचाव कर सकते हैं। विश्व योग दिवस पर सुबह 7 बजे से 7.45 बजे तक निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा।

महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए आईटीआई में 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) रीवा में नवीन सत्र के लिए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन ने बताया है कि संभागीय आईटीआई के विभिन्न व्यावसायिक कोर्सेज में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदक अब ऑनलाइन काउंसलिंग पोर्टल एमपी आईटीआई काउंसलिंग डॉट सीओ डॉट इन के माध्यम से अपना ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं इस प्रवेश प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। संस्था में संचालित विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी व्यवसायों में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 8वीं अथवा 10वीं उत्तीर्ण रखी गई है जबकि आवेदकों की न्यूनतम आयु सीमा 14 वर्ष तय की गई है। आईटीआई में 35 प्रतिशत स्थान महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए आरक्षित किए गए हैं प्रभारी कलेक्टर ने बताया कि संस्था में छात्रों के लिए ट्रेडों की एक विस्तृत श्रृंखला संचालित की जा रही है मेसन, मैकेनिक मोटर व्हीकल, डीज़ल मैकेनिक, प्लंबर, स्विंग टेक्नोलोजी, सोलर तकनीशियन, स्टेनोग्राफर (अंग्रेज़ी व हिंदी), टर्नर, वेल्डर, सर्वेयर, ड्राफ्ट्समैन सिविल तथा रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग तकनीशियन जैसे महत्वपूर्ण रोजगारोन्मुखी ट्रेड शामिल हैं।

50 शीशी नशीली कफ सिरप जब्त :नईगढ़ी पुलिस ने सिगटी मोड़ पर नाकाबंदी कर पकड़ा, स्कूटी छोड़कर भागे तस्कर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले की नईगढ़ी पुलिस ने नशीले कफ सिरप की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 50 शीशी प्रतिबंधित ऑनरेक्स सिरप जब्त की है पुलिस घेराबंदी के दौरान दो आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए पुलिस ने मौके से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बिना नंबर की स्कूटी भी जब्त की है।

मुखबिर की सूचना पर की नाकाबंदी: पुलिस के मुताबिक, 10 जून की रात करीब 10 बजे गश्त के दौरान मुखबिर से अवैध नशे की खेप आने की सूचना मिली थी। जानकारी मिली थी कि नईगढ़ी निवासी पुष्पेंद्र जायसवाल उर्फ छोटू अपने साथी के साथ स्कूटी से नशीली सिरप लेकर आ रहा है। इस इनपुट पर पुलिस टीम ने तुरंत सिगटी मोड़ पर नाकाबंदी कर दी।

पुलिस को देख मुड़े कदम, अंधेरे का फायदा उठाकर भागे आरोपी: कुछ देर बाद जब संदिग्ध स्कूटी वहां पहुंची, तो पुलिस को सामने देख चालक ने वाहन मोड़ लिया और कामता-सोहाई मार्ग की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया, लेकिन आरोपी विक्रम तालाब के पास स्कूटी छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए भागने में सफल रहे।

स्कूटी की डिक्की से मिली 10 हजार की नशीली सिरप: पुलिस ने जब लावारिस छूटी स्कूटी की डिक्की की तलाशी ली, तो उसमें से एक सफेद बोरी बरामद हुई। बोरी के अंदर से कोडीन फास्फेट युक्त ऑनरेक्स कफ सिरप की 50 शीशियां मिलीं, जिनकी अनुमानित कीमत 10,075 रुपये है। इसके साथ ही करीब एक लाख रुपये मूल्य की टीवीएस जुपिटर स्कूटी भी जब्त की गई है।

गरीवा में दोस्त को बचाने में डूबा युवक बीहर नदी में नहाते समय गहरे पानी में चला गया था, जान बचाने उतरा शख्स लापता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा की बीहर नदी में नहाने गया दोस्त अपने एक डूबते हुए साथी की जान बचाने के प्रयास में खुद गहरे पानी में समा गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है और गोताखोरों की मदद से लापता युवक की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है जानकारी के अनुसार, ग्राम कुशहा निवासी 38 वर्षीय अनुपम मिश्रा (पिता लोकेश्वर मिश्रा) गुरुवार को अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ बीहर नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान उनका एक साथी अचानक गहरे पानी में चला गया और पानी में डूबने लगा अपने दोस्त को संकट में देखकर अनुपम मिश्रा ने

बिना कोई देरी किए उसे बचाने के लिए तुरंत नदी में छलांग लगा दी साथी को तो सुरक्षित निकाल लिया, खुद गहराई में हुए लापता बचाव के इस प्रयास में अनुपम ने डूबते हुए साथी को तो सुरक्षित बाहर निकाल दिया, लेकिन इस जद्दोजहद में वह खुद नदी के गहरे पानी में चले गए। देखते ही देखते अनुपम नदी की गहराई में लापता हो गए घटना की खबर गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी किनारे जमा हो गए।अचानक हुए इस हादसे के बाद से अनुपम के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है गोताखोरों का सर्च ऑपरेशन जारी, प्रशासन ने की अपील सगरा थाना पुलिस, प्रशासन और स्थानीय गोताखोरों की टीम नदी में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गोताखोरों की मदद से नदी के गहरे हिस्सों में सघन तलाश की जा रही है लेकिन खबर लिखे जाने तक अनुपम का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

एसीपी में 128 प्रतिशत की उपलब्धि प्राप्त कर बनाया कीर्तिमान जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में वित्तीय समावेशन, स्वरोजगार एवं बैंकिंग योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक अपर कलेक्टर पी.के. पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में पाण्डेय ने विभिन्न विभागों एवं बैंकों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आगामी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान वार्षिक साख योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि मऊगंज जिले ने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 128 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की

है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अपर कलेक्टर ने सभी बैंकों, विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा कि समन्वित प्रयासों के माध्यम से जिले में वित्तीय समावेशन को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री स्व-रोजगार एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने पर जोर दिया। अपर कलेक्टर ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाकर स्वरोजगार योजनाओं में आवेदन संख्या में वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिले के क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात की समीक्षा करते हुए नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक एस.के. जेना ने बैंकों को ऋण वितरण में और अधिक सक्रियता दिखाने तथा प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों को बढ़ावा देने की बात कहीं ैठक में वित्तीय समावेशन, मुद्रा योजना, स्टैंडअप इंडिया, पशुपालन, मत्स्य पालन, स्वरोजगार एवं अन्य बैंक प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के एलडीओ कांत शर्मा, लीड बैंक प्रबंधक ज्योत्सना अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

क्योंटी फॉल में दर्दनाक हादसा, 200 फीट गहरी खाई में गिरकर दो युवकों की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल क्योंटी फॉल में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया बाइक सवार दो युवक अनियंत्रित होकर लगभग 200 फीट गहरी खाई में जा गिरे जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और अफरा-तफरी का माहौल बन गया मृतकों की पहचान आयुष गौतम (19 वर्ष), पिता अनिल गौतम, निवासी शिगटी तथा संतोष पटेल (23 वर्ष), पिता रामा पटेल, निवासी छत्तरगढ़ थाना नईगढ़ी के रूप में हुई है प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक बाइक से क्योंटी फॉल क्षेत्र की ओर जा रहे थे तभी अचानक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया गिरने के बाद दोनों युवक नीचे चट्टानों पर जा गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही

मृत्यु हो गई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, छ्त्रष्ट एवं स्ठक्रन्न की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया खाई की अत्यधिक गहराई और दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा करीब तीन घंटे तक चले संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद टीम ने दोनों शवों को खाई से सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया तथा आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई स्थानीय प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच प्रारंभ कर दी है इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है और लोग मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।